visit us
www.rajasthandar-shanpatrika.com
rajasthandarshan-patrika
rajasthandarshan-news
rajasthandarshan
rajasthan darshan-news channel
rajasthan darshan patrika

दैनिक प्रातः कालीन

PRGI No. RJHIN/26/A3814

राजस्थान दर्शन

वर्ष : 1 | अंक: 17 | उदयपुर, सोमवार, 13 जुलाई, 2026 | पृष्ठ : 8 | मूल्य- 5₹

ब्रीफ न्यूज

कतर के पूर्व अमीर के सम्मान में आज आधा झुकेगा तिरंगा

राजस्थान दर्शन

नई दिल्ली। भारत ने कतर के फादर कहे जाने वाले शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के सम्मान में सोमवार को एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। शेख हमद का रविवार को 74 साल की उम्र में निधन हो गया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि शोक के दिन पूरे भारत में उन सभी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा, जहां इसे नियमित रूप से फहराया जाता है और उस दिन कोई आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम नहीं होगा। शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन की घोषणा कतर की सर्वोच्च सरकारी संस्था अमीरी दीवान ने को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर दुख जताया। उन्होंने इसे अत्यंत पीड़ादायक बताया।

डूंगरपुर में चार बच्चों की तालाब में डूबने से मौत

राजस्थान दर्शन

डूंगरपुर। धम्बोला थाना क्षेत्र के लिखी बड़ी गांव में रविवार को दर्दनाक हादसे में वात्रक तालाब में नहाने गए छह बच्चों में से चार की डूबने से मौत हो गई। दो बच्चों को ग्रामीणों ने बचा लिया। मरने वाले बच्चों में तीन सगे भाई-बहन और उनकी फुफेरी बहन शामिल थे। पुलिस के अनुसार बड़ी गांव निवासी बाबूसिंह डामोर के बच्चे हिना (24), प्रतीक (20) और इशिता (15) अपने रिश्तेदारों के साथ वात्रक तालाब में नहाने पहुंचे थे। उनके साथ गुजरात के पालनपुर निवासी उनकी फुफेरी बहन रौनक (20) भी मौजूद थी। नहाने के दौरान सभी बच्चे अचानक तालाब के गहरे हिस्से में चले गए और डूबने लगे। बच्चों को बचाने के लिए मौके पर मौजूद ग्रामीण तुरंत तालाब में कूद पड़े और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों की मदद से राजवीर और जयसिंह को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जबकि चार अन्य बच्चों को बचाया नहीं जा सका।

चिंता : भीलवाड़ा और बांसवाड़ा में प्रसूताओं की मौत की होगी हाईलेवल जांच, खुलेंगे सारे राज

उठे सवाल...? सरकार ये अस्पताल हैं या मौत के घर, बदहाल व्यवस्थाएं उजाड़ रहीं घर

दोनों जिलों के अस्पतालों में पहुंची विशेषज्ञों की टीम, मेडिकल रिकॉर्ड जब्त

राजस्थान दर्शन

बांसवाड़ा/भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा और बांसवाड़ा के महात्मा गांधी जिला अस्पतालों में बीते एक सप्ताह के दौरान हुए प्रसूताओं की मौतों के मामले में एक बार फिर चिकित्सा विभाग को कटघरे में खड़ा कर दिया है। पूर्व में बीकानेर, कोटा समेत कई जिलों में प्रसूताओं की उपचार के दौरान हुई मौतों के मामले अभी ठंडे भी नहीं पड़े थे कि दो और जिलों में 9 प्रसूताओं की मौतों ने सरकार पर कालिख पोत दी। दोनों जिला अस्पतालों में विभाग ने जयपुर से विशेषज्ञों की टीम को भेजा और गहन पड़ताल करवाई। दोनों जिला अस्पतालों से उपचार के रिकॉर्ड जब्त किए गए।

बांसवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में 7 से 10 जुलाई के बीच चार प्रसूताओं की मौत के मामले स्वास्थ्य विभाग रविवार को हरकत में आया। प्रमुख शासन सचिव (स्वास्थ्य) के निर्देश पर जयपुर से वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों की उच्च स्तरीय जांच टीम अस्पताल पहुंची। टीम ने उपचार व्यवस्था, मेडिकल रिकॉर्ड और संबंधित चिकित्सकों से जानकारी जुटाई। जांच दल ने सबसे पहले प्रसूता वार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान भर्ती मरीजों के उपचार की व्यवस्था, उपलब्ध संसाधन, वार्ड प्रबंधन, आपातकालीन सुविधाएं तथा प्रसव के दौरान अपनाई जाने वाली चिकित्सा प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया। इसके बाद चारों मृत प्रसूताओं से संबंधित केस फाइलें, जांच रिपोर्ट, ऑपरेशन नोट्स, दवा पर्चियां और अन्य मेडिकल रिकॉर्ड कब्जे में लेकर उनकी तकनीकी जांच शुरू की।

उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में कड़े सवाल-जवाब किए

निरीक्षण के बाद अस्पताल के पीएमओ कार्यालय में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में गायनिक विभाग के चिकित्सकों, एनेस्थेटिस्ट, नर्सिंग स्टाफ तथा अस्पताल प्रशासन के अधिकारियों से प्रत्येक मामले में मरीज की अस्पताल में भर्ती से लेकर उपचार और मृत्यु तक की पूरी चिकित्सकीय प्रक्रिया के बारे में सवाल-जवाब किए। साथ ही ड्यूटी रोस्टर, रेफरल प्रक्रिया और उपचार के दौरान लिए गए चिकित्सकीय निर्णयों की भी जानकारी ली।

भीलवाड़ा में सरकारी जांच में खुलासा, संक्रमण से नहीं हुई मौतें

भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में प्रसूताओं की मौत के मामले में राज्य सरकार की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में ऑपरेशन थिएटर संक्रमण को मौतों का कारण नहीं माना गया। सरकार ने बताया कि छह दिनों में हुई पांच महिलाओं की मौत अलग-अलग चिकित्सीय जटिलताओं के कारण हुईं। पूरे मामले की विस्तृत और वैज्ञानिक जांच के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य निदेशालय की विशेषज्ञ टीम भीलवाड़ा और बांसवाड़ा भेजी गईं। प्रदेश भर के गायनिक विशेषज्ञों की बैठक सोमवार को बुलाई गई, जबकि मंगलवार को चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर स्वयं भीलवाड़ा का दौरा करेंगे। स्वास्थ्य मंत्री खींवसर ने कहा कि सरकार इन घटनाओं को बेहद गंभीरता से ले रही है। विशेषज्ञ टीम उपचार प्रक्रिया, दवाओं की गुणवत्ता, ऑपरेशन थिएटर की स्थिति, संक्रमण नियंत्रण, उपकरणों और मॉनिटरिंग सिस्टम सहित सभी पहलुओं की गहन जांच करेगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भीलवाड़ा में छह दिनों में 5 महिलाओं की मौत हुई

सरकार की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार भीलवाड़ा अस्पताल में छह दिनों के दौरान जिन पांच महिलाओं की मौत हुई, उनमें प्रत्येक की मृत्यु का कारण अलग-अलग चिकित्सकीय जटिलताएं थीं। इनमें हार्ट अटैक, हाइपोवोलेमिक शॉक, पल्मोनरी थ्रोम्बोएम्बोलिज्म, गर्भावस्था में गंभीर उच्च रक्तचाप से उत्पन्न सिंड्रोम तथा प्रसवोत्तर अत्यधिक रक्तस्राव जैसी गंभीर स्थितियां शामिल रहीं। एक मरीज का ऑपरेशन हुआ ही नहीं था, जबकि एक अन्य महिला प्रसूता नहीं, बल्कि स्त्री रोग की मरीज थी। इसलिए सभी मौतों को ऑपरेशन थिएटर संक्रमण से जोड़ना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं।

बांसवाड़ा में फीडबैक लेते जयपुर से पहुंचे अधिकारी।

बांसवाड़ा में निगाहें जांच रिपोर्ट पर

बांसवाड़ा में चार प्रसूताओं की मौत के बाद जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कई सवाल उठे। ऐसे में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और आमजन की निगाहें जयपुर से आई विशेषज्ञ समिति की अंतिम जांच रिपोर्ट पर टिक गईं। रिपोर्ट के आधार पर यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

बैंकॉक के पब में भीषण आग, 27 लोगों की मौत

राजस्थान दर्शन

बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में सोमवार तड़के पब में भीषण आग लगने से 27 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार दमकलकर्मियों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहतकर्मियों ने बताया कि आग लगने की सूचना देर रात को मिली। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में उत्तरी बैंकॉक स्थित पब के मुख्य द्वार से ऊंची लपटें उठती दिखाई दीं। लोग जान बचाने के लिए बाहर भागते नजर आए, जबकि आसमान में काले धुएं का घना गुबार फैल गया। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीरकुल ने घटनास्थल पर पत्रकारों से कहा कि हादसे में 27 लोगों की मौत हुईऔर कई घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। थाईलैंड में इस तरह की त्रासदियां पहले भी हो चुकीं। वर्ष 2022 में देश के पूर्वी हिस्से के म्यूजिक पब में लगी आग में 14 लोगों की मौत हुई थी। इससे पहले 1 जनवरी 2009 को बैंकॉक के सैंटिका नाइटक्लब में नववर्ष समारोह के दौरान आग लगने से 66 लोगों की जान गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हुए थे।

आक्रोश... नीट पेपर लीक में 22 बच्चों का क्या कसूर था, शिक्षा मंत्री प्रधान इस्तीफा दें

जयपुर। नीट पेपर लीक प्रकरण में देश के शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर रविवार को राजस्थान कांग्रेस सेवा दल ने कांग्रेस मुख्यालय से शहीद स्मारक तक कैंडल मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार और प्रधान के खिलाफ जमकर नारे लगाए। मामले में देशभर में 22 छात्र आत्महत्या कर चुके। कैंडल मार्च में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कांग्रेस विधायक रफीक खान शामिल हुए। इस दौरान सभी बच्चों को श्रद्धांजलि दी गई। कैंडल मार्च के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आत्महत्या करने वाले 22 बच्चों के पोस्टर और होर्डिंग हाथों में उठाए। जूली ने कहा कि नीट पेपर लीक में न्याय की मांग को लेकर देशभर के युवा और बच्चे सड़कों पर हैं, लेकिन केंद्र सरकार उनकी नहीं सुन रही। धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं दे रहे। कांग्रेस पार्टी भी उनके इस्तीफा नहीं देने तक सड़कों पर आंदोलन करती रहेगी। सबने पेपर लीक माफियाओं को सख्त सजा देने की मांग भी उठाई।

दावा : पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ने अपनी किताब में किया खुलासा, कई प्रसंग बताए

चुनाव आयोग पर आरोप से पूर्व प्रधानमंत्री हुए आहत, सुसाइड को कहा : कुरैशी

तत्कालीन कानून मंत्री सलमान खुर्शीद और कई मंत्रियों ने उठाए थे सवाल

राजस्थान दर्शन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने अपनी किताब इंडिया एंड आई : ए हंड्रेड मेमोरीज, नॉट ए मेमॉयर में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह से जुड़ा इमोशनल मोमेंट शेयर किया। कुरैशी की किताब के मुताबिक 2012 में चुनाव आयोग के खिलाफ कुछ मंत्रियों ने कमेंट किए थे। जब इनकी शिकायत मनमोहन सिंह की गई तो उन्होंने कहा था, अगर आपको ऐसा लगता है तो मैं आत्महत्या कर लूंगा। मनमोहन सिंह ने कुरैशी से यह भी कहा था कि इलेक्शन कमीशन सिर्फ भारत का गौरव नहीं बल्कि देश के लोकतंत्र की आत्मा है। अगर हम इसे खो देते हैं तो हम सबकुछ खो देंगे। किताब में कुरैशी ने मनमोहन सिंह की ऐसे नेता के रूप में तारीफ की जिनके लिए संवैधानिक मर्यादा बातचीत का मुद्दा नहीं बल्कि जीता-जागता विश्वास था। किताब के लेखक कुरैशी भारत के 17वें मुख्य चुनाव आयुक्त थे। उन्होंने 30 जुलाई 2010 से 10 जून 2012 तक चुनाव आयोग की बागडोर संभाली। अपने कार्यकाल में उन्होंने मतदाता जागरूकता, चुनावी खर्च निगरानी और चुनाव प्रबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुधार लागू किए। पूर्व पीएम से जुड़ा यह प्रसंग उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2012 से जुड़ा था। उस दौरान तत्कालीन केंद्रीय कानून मंत्री सलमान खुर्शीद ने मुस्लिम आरक्षण बढ़ाने का चुनावी वादा किया था। भाजपा की शिकायत पर चुनाव आयोग ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए खुर्शीद को फटकार लगाई थी। कार्रवाई के बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने चुनाव आयोग को मनमौजी और अहंकारी बताया। कुरैशी को यह बात बुरी लगी। उन्होंने तत्कालीन पीएम को इसकी जानकारी दी। वे इससे आहत हो गए।

यह सीक्रेट नहीं, देश के लीडर के कैरेक्टर की झलक थी

इस वाकये का जिक्र कर कुरैशी ने किताब में लिखा कि पीएम सिंह के सुसाइड वाले कमेंट की बात मैंने तुरंत उनके प्रिंसिपल सेक्रेटरी टीकेए नायर और उनके नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर शिवशंकर मेनन को बताई। उनके प्रेस सचिव हरीश खरे ने भी अपने कॉमन दोस्तों को इस बारे में बताया। हममें से किसी ने भी इसे सीक्रेट नहीं माना। यह हमारे देश को लीड करने वाले आदमी के कैरेक्टर की एक बहुत जरूरी झलक थी।

किताब में 100 से ज्यादा दिलचस्प किस्से उकेरे

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त कुरैशी ने इस किताब में अपनी जिंदगी के 100 दिलचस्प किस्से-कहानियों का संकलन किया। कुरैशी ने उन घटनाओं, मुश्किलों और अचानक आए घटनाक्रमों के बारे में बताया, जिन्होंने सिविल सर्विस में उनके करियर को खास बनाया। हैचेट इंडिया की ओर से पब्लिश यह किताब जल्द बाजार में आने वाली है। किताब में 2012 में इलेक्शन कमीशन के पंजाब के ड्रग संकट को पकड़ना, वह एमओयू जिसने डोनाल्ड ट्रम्प और एलन मस्क को हैरान कर दिया और कैसे टीआरपी का इस्तेमाल दूरदर्शन को छोटा करने और उसके विज्ञापन के पैसे को दूसरी जगह लगाने के लिए किया गया जैसी कई घटनाओं का जिक्र है।

MADHAV UNIVERSITY
(Established by the Rajasthan State Govt. Legislature Act No. 07 of 2014
ACCREDITED WITH 'A' GRADE BY NAAC
Entrance Test Exam Fee is 1500/-
ADMISSION OPEN 2026-27
Admission for UGC & State Govt. Norms.
APPROVAL BY STATE GOVT., UGC, AIU, NCH, RPMC, AYUSH, PCI, RCI, BCI.NCTE, NCVT)

HOMOEOPATHY
- B.H.M.S.

YOGA & NATUROPATHY
- BNYS - PGDYN
- DNYS - CCYN

PARAMEDICAL
- Bachelor of Medical Laboratory Technology (BMLT)
- Bachelor of Radiation Technology (BRT)
- Bachelor of Operation Theatre Technology (BOTT)
- Master of Medical Laboratory Technology (MMLT)
- Master of Radiation Technolog (MRT)
- Master of Operation Theatre Technology (MOTT)

PHYSIOTHERAPY
- BPT
- MPT (Musculoskeletal Science, Sports Science, Neurology Science)

LIBRARY
- D. LIBRARY - B. LIBRARY
- M. LIBRARY

COMMERCE & MANAGEMENT
- B.Com. - M.Com.
- BBA - MBA

COMPUTER SC. & APPLICATIONS
- DCA - BCA - PGDCA
- MCA - B.Sc. (IT) - M. Sc. (IT)

PH.D ALL ABOVE COURSES

ENGINEERING AI/ML
- B.Tech. AI/ML
- B.Tech. AI/Data Science
- BCA AI/ML
- BCA AI/Data Science
- BCA Cyber Security
- MCA AI/ML
- MCA AI/Data Science
- B.Sc. IT AI/ML
- B.Sc. IT AI/Data Science
- M.Sc. IT AI/ML
- M.Sc. IT AI/Data Science

ENGINEERING
- Diploma (Civil, Mechanical, Electrical, ECE. CSE, Mining, Fire & Safety)
- B. TECH.
- CSE with Specialization: (Artificial Intelligence & Machine Learning, Data Science)
- B.TECH (Civil, Mechanical, Electrical, ECE. CSE, Mining, Fire & Safety)
- M. TECH

I.T.I.
- Diesel - Fitter
- Electrician - Wireman

CLINICAL PSYCHOLOGY
- B.Sc. Clinical Psychology
- MA Clinical Psychology
- PDCP Clinical Psychology PGDRP

SCIENCE
- B. Sc. (PCM & CBZ)
- M. Sc. (Physics, Chemistry, Mathematics, Zoology, Botany, Bio-Technology, Microbiology)

EDUCATION
- B.Ed.
- ITEP (B.A. B.Ed, B.Sc. B.Ed)
- MA EDUCATION

PHYSICAL EDUCATION
- D.P.Ed - B.P.Ed.
- M.P.Ed. - PGDSM

SPECIAL EDUCATION
- B.Ed. (HI) - B. Ed. (ID)
- D. Ed. (HI) - D. Ed. (IDD)
- ISTEP (FS) HI

PHARMACY
- D. Pharm - B. Pharm - M. Pharm

LAW
- B.A. LL.B. - LL.B. - LL.M. (2 Year)

ARTS, HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES
- BA - MA - MSW - MA (Yoga)

Hospitality Mgmt. Hotel Mgmt. & Catering Technology
- Bachelor in HMCT- BHM
- MBA. Hotel Mgmt.
- PG Diploma in Hotel Mgmt./Catering Tech.
- UG. Diploma in Hotel Mgmt./Catering Tech.
- Certificate in Hotel Mgmt./Catering Tech.

Hospital Management
- MBA.in Hospital Management
- Executive MBA in Hospital Mgmt.
- PG. Diploma in Hospital Mgmt

AGRICULTURE *Scholarships As per Admission on Merit Based the state Govt. Rules
- Diploma (1 Yr & 3 Yrs Courses)
- B.Sc. Hons.(Ag.)
- B.Sc. Hons.(Ag.) L.E.
- B.Sc. Hons. Agribusiness Management
- B.Sc. Hons. Natural Farming
- B.Sc. Hons. Organic Farming
- B.Tech Agricultural Engineering
- M.Sc. (Agri.) Agronomy, Genetics and Plant Breeding, Soil Science, Plant Pathology, Entomology, Agricultural Extension Education
- M.Sc. (Horti.) Fruit Science, Floriculture & Landscaping, Vegetable Science

UNIVERSITY CONTACTS 8875028991, 92, 93, 94
WEBSITE: www.madhavuniversity.edu.in
EMAIL: admission@madhavuniversity.edu.in
N.H.27, P.O. Bharja, Abu Road, Distt. - Sirohi (Raj.) -307032

हरियालो राजस्थान अभियान के तहत101 पौधे लगाने का संकल्प

राजस्थान दर्शन

झल्लारा। प्रदेश को हरा-भरा और खुशहाल बनाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'हरियालो राजस्थान अभियान' के अंतर्गत ग्राम पंचायत साथीन में पर्यावरण संरक्षण की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर सामने आई है। इस अभियान से प्रेरित होकर क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों ने पर्यावरण को बचाने के लिए धरातल पर काम शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में, पंचायत शिक्षक राघव सालवी एवं ग्राम पंचायत साथीन की रमिला सालवी ने संयुक्त रूप से एक सराहनीय कदम उठाते हुए 101 पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का दृढ़ संकल्प लिया है। आमतौर पर लोग पौधे तो लगा देते हैं, लेकिन देखरेख के अभाव में वे नष्ट हो जाते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए राघव सालवी और रमिला सालवी ने न केवल 101 पौधे रोपने का संकल्प लिया है, बल्कि उनके ट्री-गार्ड, नियमित सिंचाई और पूर्ण रूप से विकसित होने तक उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उठाई है। इस संकल्प के तहत औषधीय, छायादार और फलदार पौधे लगाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर पंचायत शिक्षक राघव सालवी ने कहा:

'पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्याएं पैदा हो रही हैं। ' वहीं रमिला सालवी ने ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपने जीवन के विशेष अवसरों (जैसे जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ) पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं। इस अनुकरणीय पहल की ग्राम पंचायत साथीन के ग्रामीणों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की है।

एनिकट में दर्दनाक हादसा

वात्रक एनिकट में डूबने से तीन सगे भाई-बहनों समेत 4 की मौतः नहाने गए थे छह बच्चे, ग्रामीणों ने दो को बचाया

राजस्थान दर्शन

डूंगरपुर। डूंगरपुर जिले के धंबोला थाना क्षेत्र के लिखी बड़ी गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में वात्रक एनिकट में डूबने से एक ही परिवार के तीन सगे भाई-बहनों समेत चार बच्चों की मौत हो गई। सभी बच्चे एनिकट में नहाने गए थे। नहाते समय गहरे पानी में चले जाने से हादसा हुआ। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने जान जोखिम में डालकर रेस्क्यू किया और दो बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि चार बच्चों की मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, लिखी बड़ी निवासी बाबू सिंह डामोर के बच्चे और उनके रिश्तेदार गांव के सीनियर स्कूल मैदान के पास स्थित वात्रक एनिकट में नहाने गए थे। इसी दौरान बच्चे पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगा सके और एक-एक कर गहरे पानी में डूबने लगे। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास से गुजर रहे ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और बिना देर किए एनिकट में छलांग लगाकर बचाव अभियान शुरू किया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद राजवीर और जयसिंह को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दोनों को तत्काल सीमलवाड़ा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। हालांकि, चार अन्य बच्चों को समय रहते नहीं बचाया जा सका।

तीन सगे भाई-बहनों सहित चार की मौत

हादसे में मृतकों की पहचान हिना डामोर (24), प्रतीक डामोर (20) और इशिता डामोर (15) के रूप में हुई है। तीनों बाबू सिंह डामोर की संतान थे। इनके अलावा रौनक (20) निवासी पालनपुर, जो बाबू सिंह की फुफेरी रिश्तेदार थी, की भी डूबने से मौत हो गई।

मौके पर पहुंची पुलिस, अस्पताल में पोस्टमार्टम

घटना की सूचना मिलते ही धंबोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से चारों शवों को एनिकट से बाहर निकालकर सीमलवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया, जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

एक साथ चार अर्थियां उठने से गांव में पसरा मातम

एक ही परिवार के तीन बच्चों समेत चार युवाओं की मौत से लिखी बड़ी गांव में शोक की लहर दौड़ गई। अस्पताल परिसर में बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन एकत्र हो गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। गांव में हर आंख नम दिखाई दी और पूरे क्षेत्र में इस दर्दनाक हादसे की चर्चा रही।

बिना सुरक्षा के एनिकट में नहाना पड़ा भारी

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बच्चे गर्मी से राहत पाने के लिए एनिकट में नहाने गए थे। लेकिन पानी की गहराई का सही अनुमान नहीं लगने से वे डूब गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में एनिकट और बांधों में पानी का स्तर अचानक बढ़ जाता है, ऐसे में वहां नहाना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

सचिन पायलट के सलूंबर आगमन को लेकर कांग्रेसियों में भारी उत्साह

जिला कांग्रेस कमेटी ने जारी की अति आवश्यक सूचना, भव्य स्वागत की तैयारियां तेज

राजस्थान दर्शन

झल्लारा/सलूंबर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री माननीय सचिन पायलट के आगामी सलम्बर दौरे को लेकर स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। जिला कांग्रेस कमेटी सलूंबर (राज.) द्वारा इस संबंध में एक अति आवश्यक सूचना पत्र जारी कर सभी कांग्रेस जनों से भारी से भारी संख्या में पहुंचने की अपील की गई है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष परमानन्द मेहता (एडवोकेट) एवं संगठन महासचिव गणेश एन मेहता (एडवोकेट) द्वारा संयुक्त रूप से जारी आधिकारिक पत्र (क्रमांक 133/2026/सूचना) के अनुसार, सचिन पायलट का सलम्बर में एक भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक स्वागत समारोह को सफल बनाने के लिए जिला कार्यकारिणी के समस्त सम्मानित पदाधिकारियों, एआईसीसी (AICC) सदस्यों, पीसीसी (PCC) सदस्यों, वर्तमान व पूर्व सांसदों, विधायकों, विधानसभा प्रत्याशियों तथा अग्रिम संगठनों के पदाधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। यह भव्य कार्यक्रम 14 जुलाई 2026 (मंगलवार) को दोपहर 12:30 बजे सलम्बर के आरटीओ सर्कल बायपास (चौपाटी) पर आयोजित किया जाएगा। इस बड़े आयोजन को लेकर जिला नेतृत्व पूरी तरह से सक्रिय मोड में आ गया है। जिला अध्यक्ष परमानन्द मेहता ने सेवादल, राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन, एनएसयूआई (NSUI), यूथ कांग्रेस, ओबीसी मोर्चा, एसटी मोर्चा, एससी विभाग, अल्पसंख्यक विभाग, किसान कांग्रेस, मजदूर कांग्रेस, महिला कांग्रेस सहित विधि, शिक्षक, खेल, बुद्धिजीवी, अभाव अभियोग, माइनिंग, सामाजिक अधिकारिता और स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ के पूर्व व वर्तमान अध्यक्षों को अपने कार्यकर्ताओं के साथ जुटने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही, नवगठित प्रशासनिक व्यवस्था के तहत तहसील सेमारी के सम्मानित उपप्रधान और जिला कार्यकारिणी सदस्यों से भी विशेष रूप से इस मुहिम में शामिल होने की विनम्र अपील की गई है। संगठन महासचिव गणेश एन मेहता ने विशेष तौर पर सभी ब्लॉक अध्यक्षों एवं मण्डल अध्यक्षों से अपील की है कि वे अपने-अपने स्तर पर निचले स्तर (बूथ स्तर) तक सूचना प्रसारित करें। प्रत्येक गांव और ढाणी से कार्यकर्ताओं को संगठित कर, भारी जनसैलाब के साथ तय समय पर आरटीओ सर्कल बायपास पर पहुंचें, ताकि पूर्व उपमुख्यमंत्री का स्वागत ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बनाया जा सके। राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि सचिन पायलट के इस दौरे से सलम्बर जिला क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को एक नई ऊर्जा मिलेगी और आगामी राजनैतिक समीकरणों के लिहाज से यह दौरा बेहद महत्वपूर्ण साबित होने वाला है।

गो सम्मान आह्वान अभियान ने भरी हुंकार, 27 जुलाई के ज्ञापन कार्यक्रम की तैयारियां तेज

राजस्थान दर्शन

सलूम्बर में बैठक कर पोस्टर का हुआ विमोचन, गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग को लेकर जनसंपर्क अभियान होगा तेज

सलूम्बर । गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत रविवार को संघ कार्यालय, सलूम्बर में जिले की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में 27 जुलाई को जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति एवं केंद्र सरकार के नाम गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने तथा गोसंरक्षण को लेकर ज्ञापन सौंपने के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक में अभियान को व्यापक जनसमर्थन दिलाने और कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने की रणनीति तय की गई। बैठक के दौरान अभियान की रूपरेखा, जनसंपर्क अभियान, संगठनात्मक जिम्मेदारियों का निर्धारण, विभिन्न तहसीलों एवं नगरों में कार्यकर्ताओं की भूमिका तथा अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा हुई। अभियान से जुड़े पदाधिकारियों ने कहा कि 27 जुलाई का कार्यक्रम केवल एक ज्ञापन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि गोसंरक्षण और भारतीय संस्कृति के प्रति जनजागरण का बड़ा अभियान बनेगा। इस अवसर पर अभियान के पोस्टर का विधिवत विमोचन भी किया गया। कार्यकर्ताओं ने पोस्टर के माध्यम से गांव-गांव और शहर-शहर अभियान का संदेश पहुंचाने तथा अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का संकल्प लिया। बैठक में तहसील, खंड, नगर एवं जिला स्तर के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने अपने-अपने विचार रखते हुए अभियान को जन-जन तक पहुंचाने, गोभक्तों एवं सनातन समाज के लोगों को जोड़ने और 27 जुलाई के ज्ञापन कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में घर-घर संपर्क करेगा और समाज के हर वर्ग को अभियान से जोड़ने का प्रयास करेगा, ताकि गोसंरक्षण और गोसम्मान की मांग को व्यापक जनसमर्थन मिल सके। बैठक का समापन 'गोमाता का सम्मान - राष्ट्र का सम्मान' के सामूहिक उद्घोष के साथ हुआ। आयोजन में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने अभियान को सफल बनाने और समाज में जागरूकता फैलाने का सामूहिक संकल्प लिया।

ट्रांसफर के इंतजार में अधूरी शिक्षाः राजसमंद में तबादला एक्सप्रेस थमी शिक्षक एप्रोच और अवकाश की बिसात में उलझे

शिक्षक तबादला एक्सप्रेस में होने स्कूल के नए सत्र में पटरी पर नहीं लौट पा रही जिले के बच्चों की शिक्षा

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। शिक्षा विभाग का ट्रांसफर सीजन इस समय जिले में चर्चा का सबसे गर्म मुद्दा बना हुआ है। एक तरफ सरकार ने तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादलों पर फिलहाल ब्रेक लगा रखा है, तो दूसरी तरफ यह खामोशी उन शिक्षकों के लिए किसी सस्पेंस फिल्म से कम नहीं है। तृतीय श्रेणी शिक्षकों के बीच तबादला एक्सप्रेस के न चलने से लेवल वन और लेवल टू के शिक्षकों में जबरदस्त बेचैनी है। जिले के शिक्षा महकमे में इन दिनों पढ़ाई कम और जुगाड़ की चर्चा ज्यादा हो रही है। जिले के शिक्षा विभाग के अधिकारी, प्राचार्य, व्याख्याता, वरिष्ठ शिक्षक, बाबू आदि राजसमंद जिले से तबादला एक्सप्रेस में बैठ गए है, वहीं तृतीय श्रेणी शिक्षक का तबदाला नहीं होने से स्टेशन पर पहुंचाने आए सीनियर शिक्षकों को विदाई देते हुए उनके जाने के जुगाड पर चर्चा कर रहे है, वही नए सत्र में बच्चों की पढाई शुरू नहीं होने से बच्चे में गुरूजी का इंतजार कर रहे है।

सत्ता के गलियारों में शिक्षकों का पावर गेम

दूसरे जिलों से राजसमंद में सेवा दे रहे शिक्षक अब अपने गृह जिलों में वापसी की राह तक रहे हैं, वहीं जिले के भीतर जमे तृतीय श्रेणी शिक्षक अपने घर के पास वाली मलाईदार स्कूल पोस्टिंग पाने के लिए लालायित हैं। आलम यह है कि भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी हों या सत्ताधारी दल के जनप्रतिनिधि, इनके घरों और कार्यालयों के बाहर शिक्षकों की कतारें आम हो गई हैं। शिक्षक अपनी बात मनवाने के लिए एप्रोच बैठाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ऐसा लगता है कि स्कूलों में शिक्षण से ज्यादा ध्यान अब नेताओं के दरबार में हाजिरी लगाने पर है।

अधिकारियों के ट्रांसफर से बढ़ा शिक्षा का संकट

सरकार ने फिलहाल तृतीय श्रेणी शिक्षकों पर तो रोक लगा रखी है, लेकिन जिला व ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों, प्राचार्यों, व्याख्याताओं और बाबू वर्ग के बंपर तबादले कर दिए हैं। इस सर्जिकल स्ट्राइक ने जिले की पहले से ही लडखड़ाती शिक्षा व्यवस्था की कमर तोड़ दी है। रिक्त पदों की संख्या में जो इजाफा हुआ है, उसने स्कूलों की प्रशासनिक व्यवस्था को पटरी से उतार दिया है। अनेक स्कूलों में अब न तो पर्याप्त शिक्षक हैं और न ही प्रशासनिक स्तर पर दिशा-निर्देश देने वाले अधिकारी। इसका सीधा असर ग्रामीण क्षेत्रों के उन विद्यालयों पर पड़ रहा है, जहां पहले से ही स्टाफ की भारी कमी है।

पढ़ाई ठप, शिक्षक छुट्टी के बहाने तलाशने में जुटे

गर्मी की लंबी छुट्टियों के बाद स्कूल तो खुल गए, लेकिन शिक्षण व्यवस्था अभी भी आईसीयू में है। शिक्षक इस कदर तबादले की चिंता में डूबे हैं कि उनका ध्यान बच्चों को पढ़ाने के बजाय अपने ट्रांसफर ऑर्डर की संभावनाओं पर केंद्रित है। जुगाड़ बिठाने और नेताओं से मिलने के लिए शिक्षक नए-नए बहाने बनाकर धड़ाधड़ अवकाश ले रहे हैं। विद्यालयों में शिक्षक एक-दूसरे से तबादले की अपडेट्स साझा करने में लगे हैं। बच्चों के भविष्य को ताक पर रखकर, शिक्षक अपनी पोस्टिंग को लेकर लॉबिंग करने में इतने व्यस्त हैं कि स्कूलों में सन्नाटा पसरा है। बोर्ड परीक्षा के परिणामों और आगामी सत्र की चुनौतियों के बीच शिक्षकों की यह गैर-मौजूदगी शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवालिया निशान लगा रही है।

क्या सुध लेगी सरकार

एक तरफ सरकार क्वालिटी एजुकेशन के दावे कर रही है, तो दूसरी तरफ जिले का पूरा महकमा ट्रांसफर-पोस्टिंग के खेल में उलझा है। तृतीय श्रेणी शिक्षकों का बड़ा वर्ग इस उम्मीद में बैठा है कि शायद सरकार तबादला एक्सप्रेस का सिग्नल दे दे, लेकिन फिलहाल मिल रही निराशा ने उनकी हताशा बढ़ा दी है। सवाल यह उठता है कि क्या केवल प्रशासनिक अधिकारियों और व्याख्याताओं के तबादले से शिक्षा में सुधार आएगा या फिर तृतीय श्रेणी शिक्षकों की इस मजबूरी का समाधान निकालकर उन्हें बच्चों के भविष्य की चिंता करने के लिए मजबूर किया जाएगा। राजसमंद की जनता और अभिभावक अब शिक्षा महकमे से जवाब मांग रहे हैं। क्या शिक्षा विभाग में पदस्थ अधिकारी इस तबादला बुखार का कोई इलाज ढूंढ पाएंगे या फिर बच्चों की पढ़ाई यूं ही नेताओं के दरबार में दम तोड़ती रहेगी। शिक्षकों की यह जुगाड़ की राजनीति और स्कूलों की खाली कुर्सियां इस बात का संकेत हैं कि यदि जल्द ही नीति स्पष्ट नहीं की गई, तो इस पूरे सत्र का नुकसान प्रदेश के होनहारों को भुगतना पड़ेगा।

गैस कटर से ग्रिल काटकर घर में घुसे चोर, बाइक व किराना सामान ले उड़े; CCTV में कैद हुई पूरी वारदात

राजस्थान दर्शन

डेस्क। जिले के झल्लारा थाना क्षेत्र में इन दिनों चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। चोर अब चोरी की वारदातों को अंजाम देने के लिए आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे हैं। गैस कटर, मिनी गैस सिलेंडर और अन्य औजारों के सहारे मकानों व दुकानों की सुरक्षा ग्रिल काटकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। लगातार हो रही वारदातों से क्षेत्र में दहशत का माहौल है, वहीं पुलिस की चिंता भी बढ़ गई है। शनिवार देर रात झल्लारा थाना क्षेत्र के नोखली गांव में चोरों ने भगवान लाल मीणा के घर को निशाना बनाया। बदमाश पहले घर के बाहर पहुंचे और मिनी गैस सिलेंडर व गैस कटर की मदद से लोहे की ग्रिल काटकर अंदर प्रवेश कर गए। इसके बाद घर से एक बाइक और दुकान में रखा किराना सामान चोरी कर फरार हो गए। सबसे खास बात यह रही कि पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। फुटेज में तीन बदमाश दिखाई दे रहे हैं, जो योजनाबद्ध तरीके से गैस कटर से ग्रिल काटते हैं और कुछ ही देर में चोरी कर मौके से फरार हो जाते हैं। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। घटना की जानकारी रविवार सुबह मिलने पर क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई। पीड़ित भगवान लाल मीणा ने झल्लारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

क्षेत्र में बढ़ रहा चोरी का ग्राफ

स्थानीय लोगों का कहना है कि झल्लारा थाना क्षेत्र में पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाओं में लगातार इजाफा हुआ है। चोर अब पारंपरिक तरीके छोड़कर गैस कटर जैसे उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे लोहे की ग्रिल और शटर भी कुछ ही मिनटों में काट दिए जाते हैं। इससे ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

पुलिस की जांच जारी

पुलिस का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया जा रहा है।

पेशेवर चोर :-

गैस कटर और मिनी सिलेंडर का इस्तेमाल यह संकेत देता है कि वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश पेशेवर और पूरी तैयारी के साथ आए थे। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने ग्रामीण इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब लोगों की नजर पुलिस की कार्रवाई पर टिकी है।

प्रतापनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः कार से 45.420 किलो डोडा-चूरा बरामद, तस्कर फरार

राजस्थान दर्शन

उदयपुर। जिले की प्रतापनगर थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक स्विफ्ट कार से 45.420 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त कार को जब्त कर लिया है, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गए। उनकी तलाश जारी है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा एवं वृत्ताधिकारी छवि शर्मा के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी पूरण सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में टीम ने रविवार को यह कार्रवाई की। पुलिस को एनटीएफ से सूचना मिली थी कि एक स्विफ्ट कार में मादक पदार्थ की खेप ले जाई जा रही है। सूचना पर पुलिस ने नाकाबंदी कर वाहन की तलाशी ली। कार में रखे तीन प्लास्टिक कट्टों से कुल 45.420 किलो डोडा-चूरा बरामद हुआ। पुलिस ने मादक पदार्थ और तस्करी में प्रयुक्त कार को जब्त कर लिया है। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि खेप कहां से लाई गई थी और इसे किस स्थान पर पहुंचाया जाना था।

रॉन्ग साइड से आई 'राजस्थान सरकार' लिखी कार ने बाइक को मारी टक्कर, युवक गंभीर घायल

राजस्थान दर्शन

गोगुंदा। उदयपुर-गोगुंदा हाईवे पर घसियार के समीप रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। जहां रॉन्ग साइड से आ रही 'राजस्थान सरकार' लिखी कार ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में डांगीयो का गुड़ा निवासी एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार युवक सड़क पर दूर जा गिरा। हादसे में युवक के सिर में गंभीर चोटें आईं तथा उसका एक पैर भी टूट गया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने बताया कि हादसे की सूचना तुरंत 108 एंबुलेंस सेवा को दी गई, लेकिन काफी देर तक एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। ऐसे में ग्रामीणों ने मानवता का परिचय देते हुए घायल युवक को निजी वाहन से तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना की सूचना बड़गांव थाना पुलिस को भी दी गई। जिस पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कैट उड़ान एग्ज़ीबिशन 2.0 में 45 महिला संगठनों की 300 महिला शक्ति स्तंभों को 'पिलर ऑफ स्ट्रेंथ अवॉर्ड' से किया सम्मानित

हाउजी गेम में सदस्यों को मिला 20 हजार तक के पुरस्कारों ने बढ़ाया उत्साह

- महिलाओं द्वारा लगाए गए 100 से अधिक स्टॉलों पर दिनभर जमकर खरीदारी हुई

राजस्थान दर्शन

तीसरे एवं अंतिम दिन उमड़ी शहरवासियों की भारी भीड़, खूब हुई खरीदारी

उदयपुर। महिला सशक्तिकरण और स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कैट वूमेन विंग उदयपुर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'कैट उड़ान एग्जिबिशन 2.0' का तीसरा एवं अंतिम दिन उत्साह, सम्मान और उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। अंतिम दिन खरीदारी के लिए शहरवासियों की भारी भीड़ उमड़ी और महिलाओं द्वारा लगाए गए 100 से अधिक स्टॉलों पर दिनभर जमकर खरीदारी हुई। वहीं हाउजी खेल ने भी आगंतुकों का भरपूर मनोरंजन किया, जिसमें प्रतिभागियों ने 20 हजार रूपए तक के आकर्षक पुरस्कार जीते। कैट की राष्ट्रीय संयुक्त सचिव (महासचिव), सदस्यता एवं नेटवर्किंग संयोजक तथा राष्ट्रीय विमेन विंग की अध्यक्ष एवं कैट विमेन विंग उदयपुर की अध्यक्ष विजयलक्ष्मी गलूंडिया ने बताया कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमियों को अपने व्यवसाय के विस्तार के लिए सशक्त मंच उपलब्ध कराना तथा उनके उत्पादों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय आयोजन को उदयपुर वासियों का भरपूर स्नेह, सहयोग और उत्साहजनक प्रतिसाद मिला, जिससे आयोजन पूरी तरह सफल रहा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीपीएस एवं रॉकवुड्स स्कूल की डायरेक्टर अलका शर्मा थीं। समापन अवसर पर आयोजकों ने सभी अतिथियों, प्रायोजकों, प्रतिभागियों, महिला संगठनों, मीडिया प्रतिनिधियों तथा शहरवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आयोजन की सफलता का श्रेय सभी के सहयोग और सहभागिता को दिया।

45 महिला संगठनों की 300 महिला सदस्यों का किया सम्मान

कैट विमेन विंग उदयपुर की सचिव डॉ. सोनू जैन एवं कोषाध्यक्ष चयनिका गलूंडिया ने बताया कि 'पिलर ऑफ स्ट्रेंथ अवॉर्ड' के अंतर्गत उदयपुर के 45 महिला संगठनों की लगभग 300 महिला सदस्यों का सम्मान किया गया। ये वे महिलाएं हैं जिन्होंने अपने-अपने संगठनों की स्थापना, विकास और वर्षों से उनके सफल एवं सतत संचालन में तन, मन और धन से उल्लेखनीय योगदान दिया है। सम्मान प्राप्त करने के बाद सभी महिलाओं ने गर्व और सम्मान की अनुभूति व्यक्त की। सभी सम्मानित महिला शक्ति स्तंभों को आरती-चिन्ह एवं उपरना पहनाकर कैट विमेन विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता पाटिल तथा कैट की राष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं व्यापार मेला संयोजक नीलम विजयवर्गीय ने सम्मानित किया।

विजेताओं को 20 हजार तक के आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए

हाउजी प्रतियोगिता में भी प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और विजेताओं को 20 हजार तक के आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। डिजिटल प्रमोशन डायरेक्टर साक्षी भट्ट ने बताया कि हाउजी प्रतियोगिता के पुरस्कारों को कॉस्मोडेंट की डायरेक्टर दक्षिता घग्गर, एनआईसीसी की डायरेक्टर डॉ. स्वीटी छाबड़ा तथा डिसाइड कंपनी द्वारा प्रायोजित किया गया। प्रदर्शनी में आए सभी आगंतुकों को भी डिसाइड कंपनी की ओर से उपहार एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के सफल संचालन में कल्पना चोरडिया, नेहा माहेश्वरी, विभा जैन, संगीता मूंदड़ा, नमिता कोठारी, ललिता सियाल, सीमा मेहता, रुखसाना साबुनवाला, रुचि चोरडिया तथा कविता बलदेवा का विशेष सहयोग रहा।

आयोजन को सफल बनाने में इनकी है अहम भूमिका

आयोजन को सफल बनाने में रुकसाना साबुनवाला, डॉ. सीमा सिंह भाटी, बृजराज राठौड़, कुसुम मेहता, उर्मिला जैन, मंजुला गैलडा, दक्षता गगर, अलीफिया मेहंदी, संगीता मुंदड़ा, नैना जैन, विभा जैन, नवनीत कौर छाबड़ा, नेहा माहेश्वरी, कविता श्रीवास्तव, डॉ. रेखा सोनी, डॉ. ममता धूपिया, विजेता मेहता, स्नेहा मलानी, मीरा मजूमदार, ललिता सियाल, सीमा मेहता, कल्पना चोरडिया, कविता बलदेवा, अनीता नाहर, अनीता माहेश्वरी, डॉ. शानू लोढ़ा, सुमन खोईवाल, नमिता कोठारी, कृतिका बलदेवा, अनीता वाधवानी, निर्मला सोनी, रुचि चोरडिया, ऋतु भटनागर, अंकिता जैन, मधुबाला जायसवाल एवं सुनीता वेलावत सहित पूरी आयोजन समिति ने सक्रिय रूप से व्यवस्थाओं को संभाला।

आईएफडब्ल्यूजे की बांसवाड़ा जिला कार्यकारिणी का गठन, पांच विधानसभा प्रभारियों की हुई नियुक्ति

राजस्थान दर्शन

बांसवाड़ा। देश के प्रमुख पत्रकार संगठनों में से एक आईएफडब्ल्यूजे (इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स) की जिला स्तरीय बैठक रविवार को शहर के एक निजी होटल में आयोजित हुई। बैठक उदयपुर संभाग प्रभारी विक्रम सिंह करनोत के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। इस दौरान संगठन के विस्तार को लेकर पांच विधानसभा प्रभारियों एवं नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिलाध्यक्ष किशन सेन ने बताया कि दीनदयाल शर्मा (बांसवाड़ा), मुकेश पाटीदार (गढ़ी), विनोद नायक (घाटोल), चंकी कलाल (बागीदौरा) तथा ललित गोलेछा को कुशलगढ़ विधानसभा प्रभारी नियुक्त किया गया। वहीं जिला कार्यकारिणी में धर्मेंद्र उपाध्याय, मृदुल पुरोहित एवं अरुण जोशी को उपाध्यक्ष, राजेश सोनी को महासचिव, महेश आमेटा, आशीष जोशी, नारायण कलाल, सैयद मिर्जा एवं दिलीप बुनकर को सचिव, प्रमोद कलाल को कोषाध्यक्ष तथा गौतमसिंह राठौड़ को जिला प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई। सदस्य के रूप में किशोर बुनकर, प्रकाश नायक, जुगनू सोनी, सोनू अग्रवाल, लक्ष्मी सोनी, रामलाल यादव, नरेंद्र मेहता, निलेश कलाल एवं राजेंद्र कलाल को मनोनीत किया गया। बैठक में प्रदेश शिकायत निस्तारण प्रभारी दिनेश बोरा, सिरोही जिलाध्यक्ष अशोक कुमावत, सुभाष मेहता सहित जिलेभर के आईएफडब्ल्यूजे से जुड़े पत्रकार एवं स्ट्रिंगर उपस्थित रहे। वक्ताओं ने पत्रकारों की एकजुटता, संगठन की मजबूती और पत्रकार हितों की रक्षा के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का आह्वान किया।

हेलमेट अभियानः बिना हेलमेट 6 चालान, 7 मॉडिफाइड बाइक जब्त

राजस्थान दर्शन

उदयपुर। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित कराने के लिए उदयपुर जिले के खेरवाड़ा थाना पुलिस ने रविवार को विशेष हेलमेट जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान 13 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बिना हेलमेट चलने वाले वाहन चालकों के चालान काटे गए तथा मॉडिफाइड बाइकों को जब्त किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल एवं वृत्ताधिकारी राजीव राहड़ के सुपरविजन में थानाधिकारी करणाराम जाट के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। पुलिस ने अभियान के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 6 चालकों के चालान बनाकर 6 हजार रुपए का जुर्माना वसूला। वहीं नियमों के विपरीत संशोधित (मॉडिफाइड) 7 बाइकों को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत जब्त किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य दोपहिया वाहन चालकों और पीछे बैठने वाले व्यक्ति को आईएसआई मार्क हेलमेट पहनने के लिए जागरूक करना, सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करना तथा ओवरस्पीड, मॉडिफाइड वाहन और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी अंकुश लगाना है। पुलिस ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे और यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विकास पब्लिक सेकेंडरी स्कूल, खेरवाड़ा के विद्यार्थियों ने किया हिल ट्रैकिंग प्रशिक्षण

राजस्थान दर्शन

खेरवाड़ा। विकास पब्लिक सेकेंडरी स्कूल, खेरवाड़ा में शनिवार को आयोजित शनिवारीय गतिविधियों के अंतर्गत श्री हरिवंश हाउस के तत्वावधान में कक्षा 7 के विद्यार्थियों के लिए हिल ट्रैकिंग प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। हाउस प्रभारी नेहा उपाध्याय ने बताया कि विद्यार्थियों को विद्यालय के समीप स्थित पहाड़ी पर सुरक्षित ढंग से चढ़ने एवं उतरने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान ट्रैकिंग से जुड़ी आवश्यक सावधानियों एवं सुरक्षा नियमों की भी जानकारी दी गई। पहाड़ी के शिखर पर पहुँचने के बाद विद्यार्थियों ने खेरवाड़ा नगर के मनोहारी प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लिया। साथ ही वहाँ से दिखाई देने वाले प्रमुख स्थलों जैसे पुलिस थाना, बस स्टैंड एवं नेशनल हाईवे की पहचान कराते हुए उनके बारे में जानकारी दी गई। इस गतिविधि से विद्यार्थियों में साहस, आत्मविश्वास, शारीरिक स्फूर्ति तथा प्रकृति के प्रति रुचि का विकास हुआ। इस अवसर पर कक्षा 7 के तीनों कक्षाध्यापक नम्रता भावनानी, दिव्या टेलर एवं राधेश्याम व्यास भी विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे। शिक्षकों ने विद्यार्थियों के साथ इस प्रेरणादायी गतिविधि के फोटो एवं वीडियो भी बनाए। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए भविष्य में भी इस प्रकार की ज्ञानवर्धक एवं साहसिक गतिविधियों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा।

दुकान जा रहे युवक पर चाकू से जानलेवा हमलाः दो सगे भाई गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद

राजस्थान दर्शन

लेन-देन के विवाद में रास्ता रोककर किया हमला, गंभीर घायल युवक एमबी अस्पताल में भर्ती; तीसरे आरोपी की तलाश जारी

उदयपुर। शहर के अंबामाता थाना क्षेत्र में लेन-देन के विवाद को लेकर युवक पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त धारदार चाकू भी बरामद कर लिया गया है, जबकि मामले में शामिल एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार परिवादी ने 10 जुलाई 2026 को अंबामाता थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उसकी बुआ का बेटा विनोद शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे मल्लातलाई स्थित अपनी दुकान पर जा रहा था। इसी दौरान एकलव्य कॉलोनी निवासी हितेश रावत और उसके साथियों ने रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की और फिर धारदार चाकू से विनोद पर कई वार कर दिए। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल महाराणा भूपाल चिकित्सालय (एमबी हॉस्पिटल) पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

एसपी के निर्देश पर गठित टीम ने की त्वरित कार्रवाई

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) उमेश ओझा और वृत्ताधिकारी (पश्चिम) राजेश यादव के सुपरविजन में अंबामाता थानाधिकारी दलपत सिंह राठौड़ के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने संभावित ठिकानों पर दबिश देकर हितेश रावत (21) और उसके सगे भाई निखिल रावत (22) निवासी एकलव्य कॉलोनी, अंबामाता को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ में कबूला जुर्म, चाकू भी बरामद

पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने लेन-देन के विवाद को लेकर हमला करना स्वीकार कर लिया। उनकी निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त धारदार चाकू भी बरामद कर लिया गया।

तीसरे आरोपी की तलाश जारी

पुलिस ने बताया कि मामले में शामिल हिमांशु रावत अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के बाद मामले में और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की संभावना है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए मामले की जांच आगे बढ़ा दी है।

आचार्य महाश्रमण के आदेश से कांकरोली विराजित मुनि सुरेश कुमार का लाडनूं विहार

मेवाड़ में अब केवल तीन चातुर्मास

गुरुकुलवास व आध्यात्मिक अध्ययन के लिए अधिकांश संत-साध्वियों को लाडनूं बुलाया गया

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्मसंघ के मेवाड़ क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए इस वर्ष की चातुर्मास व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। पूर्व में जिले के कांकरोली स्थित प्रज्ञा विहार में घोषित शासन मुनि सुरेश कुमार आदि ठाणा तीन को विशेष रूप से आदेशित कर लाडनूं की ओर विहार करने के लिए फरमाया गया है। आदेश प्राप्त होने के बाद मुनि ने रविवार सुबह लाडनूं की ओर विहार कर लिया। धर्मसंघ के अनुसार मुनि 15 जुलाई को सिरियारी पहुंचकर वहीं विराजेंगे। वहीं मुनि संबोध कुमार एवं मुनि विशाल कुमार सिरियारी से विहार करते हुए 26 जुलाई तक लाडनूं पहुंचेंगे। तेरापंथी सभा संस्थान कांकरोली के मीडिया प्रभारी बाबूलाल बाबेल ने बताया कि इस परिवर्तन के साथ ही मेवाड़ संभाग में वर्ष 2026 के लिए घोषित चातुर्मासों की संख्या घटकर अब केवल तीन रह गई है। धर्मसंघ की ओर से जारी व्यवस्था के अनुसार भीलवाड़ा तेरापंथ भवन में यशवंत मुनि एवं मोक्ष मुनि का चातुर्मास पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुरूप होगा। वहीं आसींद में साध्वी जसवती आदि ठाणा का चातुर्मास यथावत रहेगा। इसके अतिरिक्त रीछेड में मुनि संजय कुमार, मुनि प्रकाश कुमार एवं मुनि धैर्य कुमार का चातुर्मास आयोजित होगा। तेरापंथ धर्मसंघ के मेवाड़ क्षेत्र में राजसमंद, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा जिले शामिल हैं। सामान्यतः इस क्षेत्र में प्रतिवर्ष लगभग 20 से 22 स्थानों पर साधु-साध्वियों के चातुर्मास आयोजित होते रहे हैं, लेकिन इस वर्ष आचार्य महाश्रमण का चातुर्मास तेरापंथ धर्म संघ की राजधानी लाडनूं में होने से विशेष व्यवस्था लागू की गई है। धर्मसंघ के निर्देशानुसार मेवाड़ सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से अधिकांश साधु-साध्वियों को गुरुकुलवास, आध्यात्मिक अध्ययन, साधना एवं प्रशिक्षण के लिए लाडनूं बुलाया गया है। वर्तमान में वहां सैकड़ों साधु-साध्वियां अध्ययन और साधना में संलग्न हैं। इसी कारण मेवाड़ क्षेत्र में इस वर्ष चातुर्मासों की संख्या सीमित होकर मात्र तीन रह गई है।

खेरवाड़ा में पुराने सफाई कर्मियों एवं सफाई ठेकेदार के बीच हुई सुलह ,

सुचारू सफाई व्यवस्था हुई प्रारम्भ

राजस्थान दर्शन

खेरवाड़ा । कस्बे में पिछले एक पखवाड़े से पुराने सफाई कर्मियों एवं नए सफाई ठेकेदार के बीच चल रहा गतिरोध शनिवार को पंचायत प्रशासन के हस्तक्षेप से सुलज गया तथा रविवार से कस्बे में सुचारू सफाई व्यवस्था प्रारंभ हो गई ।मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत में सफाई के वार्षिक ठेके के तहत इस वर्ष सफाई कार्य का ठेका नए ठेकेदार द्वारा लिया गया था ,नये ठेकेदार एवं पुराने सफाई कर्मियों के बीच सफाई कार्य के समय तथा अन्य शर्तों पर गतिरोध उत्पन्न होने के कारण नए ठेकेदार द्वारा कस्बे में सफाई कार्य हेतु नए सफाई कर्मियों को नियुक्त कर सफाई का कार्य प्रारंभ करा दिया गया था। जिसका पुराने सफाई कर्मियों द्वारा विरोध किया गया तथा आपसी कहा सुनी के कारण मामला पुलिस थाने तक पहुंच गया था। शनिवार को पंचायत प्रशासक लक्ष्मी देवी आहारी ,संयुक्त व्यापार महासंघ के संरक्षक पारस जैन एवं उप सरपंच विक्रांत कोठारी की उपस्थिति में पुराने सफाई कर्मियों एवं नए सफाई ठेकेदार के बीच सुलह वार्ता संपन्न हुई तथा पुराने सफाई कर्मियों ने नए सफाई ठेकेदार की शर्तों को मानने पर अपनी लिखित स्वीकृति प्रदान की, जिससे रविवार से कस्बे में पुराने सफाई कर्मियों द्वारा सफाई व्यवस्था का कार्य प्रारंभ कर दिया गया जीससे सुचारू सफाई व्यवस्था प्रारंभ हो गई।

श्रीउत्सव मेले में दिखी महिला शक्ति की झलक : 50 से अधिक स्टॉल्स पर उमड़ी शहरवासियों की भीड़

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। जिला मुख्यालय पर राजनगर के भिक्षु निलियम परिसर में रविवार को आयोजित श्रीउत्सव मेगा एग्जीबिशन एवं व्यापारिक मेले ने शहर में व्यापार और उत्साह का नया संचार कर दिया। तेरापंथ महिला मंडल राजनगर के तत्वावधान में आयोजित इस भव्य मेले में महिलाओं द्वारा निर्मित हस्तशिल्प और कलाकृतियों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के राष्ट्रीय अभियान सक्षम नारी-विकसित समाज के तहत आयोजित इस मेले का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना था, जिसमें प्रदेश भर की महिला उद्यमियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मेले में 50 से अधिक स्टॉल्स लगाई गई थीं, जिनमें हस्तशिल्प, पारंपरिक परिधान, जैन व्यंजन, होम डेकोर, आर्ट एंड क्राफ्ट, लाइफस्टाइल और रोजमर्रा के उपयोगी सामान का अनूठा संग्रह मौजूद था। तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा रितु धोका ने कहा कि श्रीउत्सव केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास और उनकी उद्यमशीलता को नई पहचान दिलाने का एक सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के साथ आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं।

सांस्कृतिक माहौल ने मेले को और भी बनाया आकर्षक

इस दौरान मेले में पहुंची राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने स्टॉल का अवलोकन किया और व्यवसायिक गतिविधियों में शामिल महिलाओं का होंसला अफजाही किया। उन्होंने ने कहा कि मातृशक्ति जो ठान ले वो समय से पूरा कर सकती है, यह परिणाम आप सभी के सामने है। इस मेले में राजसमंद के साथ-साथ उदयपुर, भीलवाड़ा, जयपुर, कोटा, अजमेर और विजयनगर सहित राजस्थान के विभिन्न शहरों से गृह उद्योग संचालिकाओं और क्राफ्ट कलाकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मेले में खरीददारी के साथ-साथ लकी ड्रॉ, विशेष डिस्काउंट ऑफर्स और पारंपरिक व्यंजनों के स्वाद ने शहरवासियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक माहौल ने मेले को और भी आकर्षक बना दिया। इस आयोजन की सफलता में तेरापंथ महिला मंडल की मंत्री कल्पना बड़ोला और मंडल की सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिन्होंने पूरी व्यवस्था का सफलतापूर्वक संचालन किया। शहरवासियों की भारी उपस्थिति ने यह साबित कर दिया कि महिला उद्यमियों द्वारा निर्मित उत्पादों के प्रति समाज में भारी उत्साह और समर्थन है।

कूटनीति के कैनवास पर भारत का उभरता नया स्वरूप

● अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की ऐतिहासिक यात्रा के बाद स्वदेश लौटे हैं। वे इन देशों से भारत के लिए रक्षा व सुरक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी, व्यापार, तकनीक, शिक्षा और समुद्री सुरक्षा के कई महत्वपूर्ण समझौते लाए हैं। आज जब वैश्विक भू-राजनीति के वर्तमान दौर में, महाशक्तियों के बीच वर्चस्व की होड़ मची है और पारंपरिक वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं बिखराव के दौर से गुजर रही हैं, तब किसी देश की विदेश नीति की सफलता इस बात से मापी जाती है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को कितनी कुशलता से सुरक्षित करता है। इस संदर्भ में, विदेश मंत्रालय द्वारा रेखांकित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड का छह दिवसीय त्रिकोणीय दौरा भारत की समकालीन विदेश नीति के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ है। 6 से 11 जुलाई तक चले इस सघन राजनयिक अभियान ने न केवल भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को नई ऊर्जा दी है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की स्थिति को 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' (सुरक्षा प्रदाता) और एक अपरिहार्य आर्थिक धुरी के रूप में स्थापित कर दिया है।

यह दौरा महज कुछ द्विपक्षीय बैठकों या औपचारिक समझौतों का पुलिंदा नहीं था। इसे भारत के दूरगामी रणनीतिक दृष्टिकोण, विशेष रूप से 'विज़न महासागर' के धरातल पर क्रियान्वयन के रूप में देखा जाना चाहिए। इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड—ये तीनों देश हिंद-प्रशांत की उस समुद्री भूगोल पर स्थित हैं, जहां से भारत के दो-तिहाई व्यापार और ऊर्जा मार्ग गुजरते हैं। इस यात्रा के जरिए भारत ने रक्षा निर्यात, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा, परमाणु ऊर्जा के नए मार्ग और मुक्त व्यापार समझौतों का ऐसा मजबूत चक्रव्यूह तैयार किया है, जो आने वाले दशकों में देश को 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ाकर एक विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

दौरे के पहले पड़ाव के रूप में जकार्ता में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता भारत के रक्षा इतिहास में एक नया अध्याय लिख गई। भारत और इंडोनेशिया के बीच राजनयिक संबंधों के शानदार 75 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक मोड़ पर हुए इस दौरे ने दोनों देशों की 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' को नए आयाम दिए हैं। सबसे बड़ी कूटनीतिक और रक्षा सफलता इंडोनेशिया के साथ लगभग 5,400 करोड़ रुपये के ब्रह्मोस मिसाइल और तटीय रक्षा प्रणालियों के सौदे पर हुई ठोस प्रगति है। कभी दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक रहा भारत आज अपनी स्वदेशी मिसाइल तकनीक को दक्षिण-पूर्वी एशिया के सबसे बड़े देश को निर्यात करने की दहलीज पर खड़ा है। यह सौदा न केवल भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र की वैश्विक साख को बढ़ाता है, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन को बनाए रखने में भी मददगार साबित होगा।

सुरक्षा के मोर्चे पर इससे भी बड़ी रणनीतिक सफलता सुदूर इंडोनेशियाई द्वीप पर स्थित साबांग बंदरगाह के संयुक्त विकास को लेकर बनी सहमति है। मलक्का जलडमरूमध्य के ठीक मुहाने पर स्थित साबांग बंदरगाह का रणनीतिक महत्व अद्वितीय है। दुनिया का अधिकांश समुद्री व्यापार इसी पतले जलमार्ग से होता है। साबांग में भारत की आर्थिक और तकनीकी उपस्थिति का सीधा अर्थ यह है कि भारत अब अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से परे, हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के मिलन बिंदु पर अपनी पैनी नजर रख सकेगा।

यह कदम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में किसी भी एकतरफा सैन्य दबदबे या विस्तारवादी नीति को संतुलित करने के लिए भारत का एक मजबूत और शांतिपूर्ण कूटनीतिक जवाब है।

यात्रा के दूसरे चरण में मेलबर्न में आयोजित तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक नेताओं के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के बीच हुई बातचीत पूरी तरह से भविष्य की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर केंद्रित रही। इस पड़ाव की सबसे बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि वह नागरिक परमाणु ऊर्जा समझौता रहा, जो पिछले दो वर्षों से लंबित वार्ताओं के बाद आखिरकार अमलीजामा पहन सका। इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया से भारत को व्यावसायिक रूप से यूरेनियम की निर्बाध आपूर्ति का रास्ता साफ हो गया है। भारत ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का जो महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, उसे पूरा करने के लिए यह ऑस्ट्रेलियाई यूरेनियम रीढ़ की हड्डी साबित होगा। यह भारत की हरित ऊर्जा प्रतिबद्धताओं और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक युगांतरकारी कदम है।

इसके साथ ही, डिजिटल और तकनीकी क्रांति के इस युग में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्रिटिकल मिनरल्स' यानी महत्वपूर्ण खनिजों (जैसे लिथियम, कोबाल्ट और निकल) की सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए ठोस रणनीतिक साझेदारी की है। आज जब भारत इलेक्ट्रिक वाहनों, सेमीकंडक्टर और सौर पैनल निर्माण का वैश्विक हब बनने की ओर अग्रसर है, तब इन खनिजों पर से किसी एक देश के एकाधिकार को तोड़ना बेहद जरूरी था। ऑस्ट्रेलिया के विशाल खनिज भंडार तक भारत की सीधी पहुंच घरेलू उद्योगों के लिए कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा, दोनों देशों के तटीय रक्षकों और नौसेनाओं के बीच मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों के लिए हुआ नया समन्वय हिंद-प्रशांत की समुद्री सुरक्षा को एक सामूहिक सुरक्षा छतरी प्रदान करता है। मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में उमड़ा भारतीय प्रवासियों का जनसैलाब, जिसे प्रधानमंत्री अल्बनीज ने दोनों देशों को जोड़ने वाला 'लिविंग ब्रिज' कहा, यह साबित करता है कि ऑस्ट्रेलिया की समृद्धि और नीति-निर्माण में भारतीय समुदाय अब एक निर्णायक भूमिका में आ चुका है।

दौरे का अंतिम और सबसे अनूठा पड़ाव न्यूज़ीलैंड रहा। यह पिछले 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूज़ीलैंड की पहली आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा थी। ऑकलैंड में प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सम के साथ हुई व्यापक बैठकों के बाद दोनों देशों के संबंधों को औपचारिक रूप से 'स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' (रणनीतिक साझेदारी) के सर्वोच्च स्तर पर अपग्रेड कर दिया गया। चार दशकों की इस राजनयिक दूरी को खत्म करते हुए भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह प्रशांत महासागर के सुदूर कोनों में भी अपने हितों को लेकर बेहद गंभीर है।

इस यात्रा का सबसे बड़ा आर्थिक लाभ भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौते की वार्ताओं को मिली नई गति है। न्यूज़ीलैंड ने भारतीय सामानों, विशेषकर कृषि-प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं के लिए अपने बाजारों में पूरी तरह से शुल्क-मुक्त या रियायती पहुंच प्रदान करने के रोडमैप पर सहमति जताई है। इसके बदले में भारत न्यूज़ीलैंड की उन्नत डेयरी तकनीक, खाद्य प्रसंस्करण और महासागर अनुसंधान की विशेषज्ञता का लाभ उठा सकेगा। खेल, संस्कृति, पर्यटन और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में हस्ताक्षरित कई समझौता ज्ञापनों ने इस साझेदारी को केवल सरकारी गलियारों तक सीमित न रखकर जनता से जनता के जुड़ाव में बदल दिया है।

इस त्रिकोणीय यात्रा के भू-राजनीतिक निहितार्थों को समझे बिना इसका मूल्यांकन अधूरा रहेगा। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता और कर्ज के जाल वाली कूटनीति के बीच, भारत ने इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के साथ मिलकर एक वैकल्पिक, नियम-आधारित और पारदर्शी व्यवस्था का खाका खींचा है। भारत की यह कूटनीति किसी देश के विरोध में नहीं, बल्कि 'समावेशी और खुले हिंद-प्रशांत' के पक्ष में है। भारत ने यह संदेश दे दिया है कि वह वैश्विक मंच पर केवल एक दर्शक नहीं, बल्कि एजेंडा तय करने वाला देश है।

प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया भर से मिले 35 सर्वोच्च नागरिक सम्मान और इस दौरे के दौरान दक्षिण-पूर्वी एशिया व प्रशांत देशों में मिला अभूतपूर्व सम्मान यह दिखाता है कि भारत किस तरह 'ग्लोबल साउथ' की मजबूत आवाज बन चुका है। भारत वैश्विक विनिर्माण और 5त्न/6त्न जैसी स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के दम पर दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, और यह दौरा उसी संकल्प को गति देने वाला ईंधन है।

संपादकीय दृष्टिकोण से देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह तीन देशों का दौरा भारत की 'रणनीतिक स्वायत्तता' और व्यावहारिक कूटनीति का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। भारत ने एक ही यात्रा में रक्षा निर्यात के नए बाजारों को साधा, ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए यूरेनियम का इंतजाम किया और भविष्य के डिजिटल उद्योगों के लिए खनिजों की क्रेडिबल सप्लाई चेन तैयार कर ली।

यह दौरा घरेलू राजनीति के संकीर्ण चश्मे से परे जाकर राष्ट्र-निर्माण के उस महायज्ञ का हिस्सा है, जहां विदेश नीति सीधे तौर पर देश के आम नागरिक के जीवन, रोजगार और सुरक्षा को प्रभावित करती है। साबांग बंदरगाह से लेकर मेलबर्न के कॉर्पोरेट बोर्डरूम और ऑकलैंड के नीतिगत गलियारों तक, भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 21वीं सदी का भारत 'जियो-पॉलिटिक्स' और 'जियो-इकोनॉमिक्स' के वैश्विक रंगमंच पर एक नायक की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। अखबारों के पन्नों पर इस यात्रा की सफलता को केवल तात्कालिक समझौतों के रूप में नहीं, बल्कि आने वाले स्वर्णिम भारत के उस वैश्विक शिलान्यास के रूप में याद रखा जाएगा, जिसकी गूंज पूरे हिंद-प्रशांत महासागर में सुनाई दे रही है।

राज्य परीक्षा केंद्र

डिजीटल से एआई विश्वविद्यालयों तक की यात्रा का अहम पड़ाव आईटी पार्क हो सकते हैं। नए विश्वविद्यालय या शिक्षण संस्थानों के बजाय पढ़े-लिखे बच्चों की ऊर्जा का सदुपयोग तब होगा, यदि उन्हें आगे बढने के अवसर दिए जाएं। ऐसे में स्टार्टअप की तरफ रुझान पैदा करने के दृष्टिगत नए संकल्प चाहिएं।

एक मुश्किल पर्यटन की आभा में परीक्षाओं के केंद्र भी दिखाई देते हैं, जहां प्रोफेशनल पाठ्यक्रम में प्रवेश या प्रतिस्पर्धी प्रवेश परीक्षाओं के संदर्भ युवा वर्ग को भ्रमण की अनिवार्यता का संदेश देते हैं। ऐसी परीक्षाओं के केंद्र तकनीकी तौर पर आई टी सुविधाओं से सुसज्जित तथा वातावरण की सुरक्षा में चुस्त होते हैं। अगले साल नीट परीक्षा केंद्रों की वकालत में हिमाचल को भी प्रयत्न करने होंगे ताकि देश के हजार के करीब वांछित केंद्रों में कुछ प्रदेश के भीतर उपलब्ध हो जाएं। क्योंकि नीट परीक्षा आइंदा कम्प्यूटर आधारित होगी, अतः हिमाचल के हजारों परीक्षार्थियों के दृष्टिगत कुछ राज्य स्तरीय परीक्षा केंद्र विकसित करने होंगे। हमने काफी पहले इसी विषय पर कुछ सुझाव दिए थे। मसलन स्कूल शिक्षा बोर्ड परिसर के साथ लगती जमीन पर राज्य परीक्षा केंद्र विकसित करें, तो एक साथ पांच हजार या इससे अधिक युवा एक ही परिसर में परीक्षा दे सकते हैं। इसी तरह हर विश्वविद्यालय परिसर में परीक्षा केंद्र विकसित करें, तो तीन से पांच हजार तक युवा एक ही केंद्र में परीक्षा दे पाएंगे। परीक्षा केंद्रों की बदौलत युवा क्षमता अपनी प्रोफेशनल यात्रा को आसानी से टटोल सकती है। नीट परीक्षा इस परिप्रेक्ष्य में एक संभावना लेकर आ रही है। वैसे भी स्कूल शिक्षा बोर्ड व विश्वविद्यालयों को परीक्षाओं के संचालन का अनुभव प्राप्त है और इसे भविष्य की संभावनाओं में देखें तो राष्ट्रीय स्तर के कई एग्जाम संभव हो पाएंगे। प्रदेश में डिजिटल विश्वविद्यालय के प्रस्ताव के बाद अब एआई यूनिवर्सिटी स्थापित करने की घोषणा शिक्षा मंत्री ने की है। हम यह नहीं कह सकते कि विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ाना ज्यादा अहम है या पहले से शिक्षा ग्रहण कर चुके प्रोफेशनल को रोजगार का अवसर देना ज्यादा जरूरी है। डिजीटल से एआई विश्वविद्यालयों तक की यात्रा का अहम पड़ाव आईटी पार्क हो सकते हैं। नए विश्वविद्यालय या शिक्षण संस्थानों के बजाय पढ़े-लिखे बच्चों की ऊर्जा का सदुपयोग तब होगा, यदि उन्हें आगे बढने के अवसर दिए जाएं। ऐसे में स्टार्टअप की तरफ रुझान पैदा करने के दृष्टिगत नए संकल्प चाहिएं। तमाम विश्वविद्यालयों में ज्ञान की तिजोरी से बाहर चुनौतियों के प्रति नए समाधान-विकल्पों पर शिक्षा की भूमिका में बदलाव अपरिहार्य है। प्रदेश को शिखर पर पहुंचाने में युवाओं की भूमिका का योगदान सर्वश्रेष्ठ सिद्ध हो रहा है, तो इसलिए कि प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सामर्थ्य जाहिर होने लगा है। हमारे कृषि और बागबानी विश्वविद्यालयों में पढ़ाई का स्तर तथा शिक्षा में खोज खबर बढनी चाहिए ताकि वैज्ञानिक उपलब्धियों के बीच हमारे उत्पादन सफल हो सकें। हिमाचल में शिक्षा की कई नर्सरियां खुल चुकी हैं। अब वक्त यह कहता है कि हम शिक्षित युवाओं को आगे बढ़ाने, प्रतिस्पर्धा में आजमाने और भविष्य में रंग जमाने के अवसर प्रदान करें। हिमाचल के कई शहर अब कोटा की तर्ज पर विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी करा रहे हैं, तो इस क्षमता को भविष्य दिखाने के लिए कम्प्यूटरीकृत परीक्षा केंद्र उपलब्ध कराने के लिए उपयुक्त अधोसंरचना निर्माण की तरफ कोशिश करनी होगी।

डॉ. सत्यवान सौरभ

> यात्रा शुरू होने से पहले अखबार खरीदना, कोई पत्रिका चुनना या रास्ते के लिए उपन्यास लेना एक सामान्य आदत थी। रेल यात्रा और पुस्तकें मानो एक-दूसरे की पूरक थीं। लेकिन आज वही बुक स्टॉल सन्नाटे में डूबे दिखाई देते हैं। जिन स्थानों पर कभी पुस्तकों और पत्रिकाओं के खरीदारों की भीड़ लगी रहती थी, वहाँ अब गिने-चुने ग्राहक ही दिखाई देते हैं।

रेलवे स्टेशनों के बुक स्टॉलों पर पसरा सन्नाटा: क्या इंटरनेट युग ने छीन ली पढ़ने की संस्कृति?

भारतीय रेलवे स्टेशन केवल यात्रियों के आवागमन के केंद्र नहीं रहे हैं, बल्कि वे लंबे समय तक देश की सांस्कृतिक और बौद्धिक चेतना के भी प्रतीक रहे हैं। किसी भी बड़े या छोटे रेलवे स्टेशन पर प्रवेश करते ही व्हीलर जैसे बुक स्टॉल यात्रियों का ध्यान आकर्षित करते थे। यात्रा शुरू होने से पहले अखबार खरीदना, कोई पत्रिका चुनना या रास्ते के लिए उपन्यास लेना एक सामान्य आदत थी। रेल यात्रा और पुस्तकें मानो एक-दूसरे की पूरक थीं। लेकिन आज वही बुक स्टॉल सन्नाटे में डूबे दिखाई देते हैं। जिन स्थानों पर कभी पुस्तकों और पत्रिकाओं के खरीदारों की भीड़ लगी रहती थी, वहाँ अब गिने-चुने ग्राहक ही दिखाई देते हैं। अनेक स्टॉलों पर पुस्तकों की जगह पानी की बोतलें, बिस्कुट, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक और अन्य खाद्य पदार्थों ने ले ली है। यह दृश्य केवल बाजार के बदलते स्वरूप का नहीं, बल्कि समाज की बदलती पठन संस्कृति का भी संकेत है। पिछले दो दशकों में तकनीक ने मनुष्य के जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने सूचना तक पहुँच को आसान, तेज और सुलभ बना दिया है। आज दुनिया की लगभग हर जानकारी कुछ सेकंड में मोबाइल स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाती है। समाचार, पुस्तकें, शोध-पत्र, पत्रिकाएँ, वीडियो, पॉडकास्ट और ऑडियोबुक—सब कुछ एक ही उपकरण में समाहित हो गया है। यह तकनीकी क्रांति निस्संदेह मानव सभ्यता की बड़ी उपलब्धियों में से एक है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा प्रश्न भी जुड़ा है कि क्या इस डिजिटल सुविधा ने मुद्रित पुस्तकों और पत्रिकाओं की आवश्यकता को कम कर दिया है? रेलवे स्टेशनों के सूने पड़े बुक स्टॉल इस प्रश्न को और अधिक प्रासंगिक बना देते हैं। एक समय था जब धर्मयुग, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, कादम्बिनी, सारिका, नवनीत, रविवार, हंस, सरिता, मुक्ता, गृहशोभा, वनिता, मेरी सहेली, प्रतियोगिता दर्पण, चंदामामा, मधु मुस्कान, मायापुरी, मनोहर कहानियाँ, रीडर्स डाइजेस्ट, इंडिया टुडे और आउटलुक जैसी पत्रिकाओं की नई प्रतियों का पाठकों को बेसब्री से इंतजार रहता था। रेलवे स्टेशनों के बुक स्टॉल इन पत्रिकाओं के सबसे बड़े बिक्री केंद्र होते थे। लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लाखों यात्री अपनी रुचि के अनुसार पत्रिकाएँ खरीदते थे। बच्चों के लिए कॉमिक्स, युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की सामग्री, महिलाओं के लिए गृह और परिवार से जुड़ी पत्रिकाएँ तथा साहित्य प्रेमियों के लिए उपन्यास और कहानी संग्रह आसानी से उपलब्ध रहते थे। यह केवल व्यापार नहीं था, बल्कि पढ़ने की एक जीवंत संस्कृति थी। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। अनेक प्रतिष्ठित पत्रिकाएँ बंद हो चुकी हैं। कई पत्रिकाओं का प्रकाशन सीमित हो गया है। जिनका प्रकाशन जारी भी है, उनकी प्रतियाँ पहले की तुलना में बहुत कम छपती हैं। पुस्तक विक्रेताओं का कहना है कि अब यात्रियों की पहली पसंद पुस्तक नहीं, बल्कि मोबाइल फोन है। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर प्रतीक्षा कर रहे अधिकांश लोग किताबों की अलमारी की ओर देखने के बजाय अपने मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त दिखाई देते हैं। इस परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण इंटरनेट को माना जाता है। इंटरनेट ने ज्ञान और सूचना को लोकतांत्रिक बना दिया है। पहले किसी विषय पर जानकारी प्राप्त करने के लिए पुस्तकालय जाना पड़ता था या पुस्तक खरीदनी पड़ती थी। आज वही जानकारी मुफ्त में ऑनलाइन उपलब्ध है। हजारों पुस्तकें पीडीएफ रूप में उपलब्ध हैं। किंडल और अन्य ई-बुक प्लेटफॉर्म ने पुस्तक पढ़ने के तरीके को बदल दिया है। ऑडियोबुक ने उन लोगों के लिए भी पढ़ने का विकल्प उपलब्ध कराया है जिनके पास समय कम है। इस दृष्टि से देखा जाए तो पढ़ने की आदत समाप्त नहीं हुई, बल्कि उसका माध्यम बदल गया है। लेकिन यह आधा सच है। वास्तविक चिंता पढ़ने के माध्यम से अधिक पढ़ने की प्रवृत्ति को लेकर है। डिजिटल माध्यम पर उपलब्ध अधिकांश सामग्री त्वरित उपभोग के लिए तैयार की जाती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ता का ध्यान अधिक समय तक किसी एक विषय पर टिकने नहीं देते। रील्स, शॉर्ट वीडियो और छोटे-छोटे पोस्ट लोगों को लगातार एक सामग्री से दूसरी सामग्री की ओर ले जाते रहते हैं। परिणामस्वरूप गहन अध्ययन, चिंतन और विश्लेषण की प्रवृत्ति कमजोर पड़ती जा रही है। मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि लगातार बदलती डिजिटल सामग्री मनुष्य की एकाग्रता को प्रभावित करती है। पहले लोग एक उपन्यास या पुस्तक को कई दिनों तक पढ़ते थे। अब कुछ मिनटों से अधिक समय तक एक ही विषय पर ध्यान केंद्रित करना कठिन होता जा रहा है। सूचना की मात्रा बढ़ी है, लेकिन ज्ञान की गहराई कम होती दिखाई देती है। यही कारण है कि पढ़ने और देखने के बीच का अंतर समझना आवश्यक है। वीडियो देखना और पुस्तक पढ़ना दो अलग-अलग मानसिक प्रक्रियाएँ हैं।

विदेश से भारत की संप्रभुता-सुरक्षा के खिलाफ डिजिटल वार

● संजय सक्सेना

दुनिया में युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कभी देशों को कमजोर करने के लिए सीमा पर सेना उतारी जाती थी, अब वही काम मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए किया जा रहा है। इस युद्ध में न तो टैंक दिखाई देते हैं और न ही मिसाइलें, लेकिन इसका असर किसी पारंपरिक युद्ध से कम नहीं होता। इसका लक्ष्य दुश्मन के शहरों पर कब्जा करना नहीं, बल्कि उसके समाज में अविश्वास, भय और विभाजन पैदा करना होता है। भारत, जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ-साथ सबसे बड़ा डिजिटल समाज भी बन चुका है, पिछले एक दशक से इसी अदृश्य युद्ध का प्रमुख निशाना बना हुआ है। भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 95 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जबकि सोशल मीडिया से जुड़े लोगों की संख्या 50 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। हर दिन करोड़ों भारतीय मोबाइल पर समाचार देखते हैं, राय बनाते हैं और उसे आगे भी भेजते हैं। यही वजह है कि भारत दुनिया के उन देशों में शामिल हो गया है, जहां सूचना को हथियार बनाकर सामाजिक माहौल प्रभावित करने की सबसे अधिक कोशिश होती है। सुरक्षा एजेंसियां कई बार संकेत दे चुकी हैं कि सीमा पार बैठे संगठित नेटवर्क भारतीय नामों, तस्वीरों और स्थानीय भाषाओं का इस्तेमाल कर ऐसे फर्जी खाते तैयार करते हैं, जिन्हें देखकर सामान्य व्यक्ति यह समझ ही नहीं पाता कि उसके सामने बैठा व्यक्ति वास्तव में किसी दूसरे देश से अभियान चला रहा है। इस डिजिटल हमले की पहली गंभीर झलक 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों में दिखाई दी। हिंसा भड़काने के लिए पाकिस्तान का नहीं, बल्कि दूसरे देश का एक पुराना वीडियो उत्तर प्रदेश का बताकर प्रसारित किया गया। जांच में वीडियो फर्जी निकला, लेकिन तब तक समाज में तनाव फैल चुका था। यही वह दौर था जब पहली बार यह महसूस किया गया कि मोबाइल स्क्रीन पर चलने वाला झूठ जमीन पर खून-खराबे की वजह बन सकता है। इसके बाद 2017 और 2018 में बच्चा चोरी की अफवाहों ने पूरे देश को झकझोर दिया। व्हाट्सएप पर कुछ सेकंड के वीडियो और झूठे संदेशों ने ऐसी दहशत फैलाई कि असम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, झारखंड, त्रिपुरा और तमिलनाडु सहित अनेक राज्यों में भीड़ ने निर्दोष लोगों को बच्चा चोर समझकर पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस जांच में अधिकांश मामलों में कोई संगठित बच्चा चोरी गिरोह नहीं मिला, लेकिन सोशल मीडिया पर फैली अफवाहें इतनी मजबूत हो चुकी थीं कि सच की कोई कीमत नहीं रह गई थी। कोरोना महामारी के दौरान यह सूचना युद्ध और खतरनाक हो गया। किसी समुदाय को संक्रमण फैलाने वाला बताया गया, कहीं झूठे घरेलू इलाज वायरल किए गए, तो कहीं वैक्सीन को लेकर तरह-तरह की अफवाहें फैलाई गईं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'इन्फोडेमिक' कहा, यानी ऐसी महामारी जिसमें बीमारी से ज्यादा झूठ फैलता है। भारत में भी करोड़ों लोगों तक ऐसे संदेश पहुंचे जिनका चिकित्सा विज्ञान से कोई संबंध नहीं था। इसके बाद नागरिकता संशोधन कानून, दिल्ली हिंसा और किसान आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया पूरी तरह राजनीतिक युद्ध का मैदान बन गया। वास्तविक मुद्दों के साथ-साथ हजारों ऐसे वीडियो और तस्वीरें साझा की गईं जिनका घटना से कोई संबंध नहीं था। कुछ पुराने वीडियो नए बताकर वायरल किए गए तो कुछ तस्वीरों को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत किया गया। किसान आंदोलन के दौरान तथाकथित दूलकिट विवाद ने यह सवाल खड़ा किया कि क्या भारत के आंतरिक आंदोलनों को विदेशी डिजिटल नेटवर्क दिशा देने की कोशिश कर रहे हैं। जांच एजेंसियों ने कई डिजिटल कड़ियों की जांच की और यह स्पष्ट हुआ कि सोशल मीडिया अब केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि रणनीतिक अभियान चलाने का औजार भी बन चुका है। 2023 में मणिपुर हिंसा ने इस खतरे को और स्पष्ट कर दिया। कई ऐसे वीडियो, जो महीनों पुराने थे या दूसरे देशों के थे, उन्हें मणिपुर का बताकर वायरल किया गया। एक फर्जी वीडियो ने हजारों किलोमीटर दूर बैठे लोगों के मन में भी गुस्सा और अविश्वास पैदा कर दिया। यह दिखाता है कि डिजिटल दुष्प्रचार अब किसी एक राज्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे देश का माहौल प्रभावित कर सकता है। 2024 के आम चुनावों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस युद्ध को नया आयाम दिया। नेताओं की आवाज बदलकर भाषण तैयार किए गए, नकली वीडियो बनाए गए और ऐसे संदेश प्रसारित किए गए जिन्हें सामान्य व्यक्ति आसानी से पहचान नहीं सकता था। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि आने वाले वर्षों में डीपफेक लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकता है। 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े सैन्य तनाव ने इस खतरे को वास्तविक रूप में सामने ला दिया। जैसे ही सीमा पर सैन्य गतिविधियां तेज हुईं, सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो की बाढ़ आ गई। गाजा युद्ध के दृश्य भारत-पाक संघर्ष बताकर चलाए गए। पुराने विस्फोटों के वीडियो को ताजा सैन्य कार्रवाई बताया गया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार तस्वीरों ने भ्रम और बढ़ा दिया। कुछ विदेशी खातों ने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले के झूठे दावे किए, जबकि दूसरी ओर भारतीय कार्रवाई को लेकर भी मनगढ़ंत वीडियो फैलाए गए।

> *विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'इन्फोडेमिक' कहा, यानी ऐसी महामारी जिसमें बीमारी से ज्यादा झूठ फैलता है। भारत में भी करोड़ों लोगों तक ऐसे संदेश पहुंचे जिनका चिकित्सा विज्ञान से कोई संबंध नहीं था। इसके बाद नागरिकता संशोधन कानून, दिल्ली हिंसा और किसान आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया पूरी तरह राजनीतिक युद्ध का मैदान बन गया।*

राजस्थान समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 की प्रारूप समिति द्वारा जनसुनवाई आज

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़। अतिरिक्त जिला कलक्टर (भू-अभिलेख) रामचन्द्र खटीक ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा गठित राजस्थान समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 की प्रारूप समिति द्वारा उदयपुर संभाग के जिलों में जनसुनवाई आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में चित्तौड़गढ़ जिले की जनसुनवाई आज 13 जुलाई सोमवार को दोपहर 12:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) सभाकक्ष, कलेक्ट्रेट परिसर, चित्तौड़गढ़ में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की जाएगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर (भू-अभिलेख) रामचन्द्र खटीक ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान आमजन, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न पक्षकारों को राजस्थान समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 के संबंध में अपने सुझाव एवं विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। उन्होंने जिले के नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में जनसुनवाई में सहभागिता कर अपने सुझाव एवं अभिमत प्रस्तुत करने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि जनसुनवाई के दौरान सांसद एवं विधायकगण, समस्त धर्मों के प्रतिनिधि, सामाजिक विज्ञान एवं विधि विषय की पृष्ठभूमि वाले प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं विधिवेत्ता, सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के प्रतिनिधि तथा भारत निर्वाचन आयोग से मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

13 एवं 14 जुलाई को जिलेभर में लगेंगे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी सोच के अनुरूप आमजन को विभिन्न विभागों की सेवाएं एवं योजनाओं का लाभ सरल, सुगम एवं समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में 13 एवं 14 जुलाई को ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों के माध्यम से पात्र नागरिकों को विभिन्न विभागों की सेवाएं, योजनाओं की जानकारी तथा आवश्यक लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराए जाएंगे। जिला प्रशासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 13 जुलाई को कश्मोर, मानपुरा, सादी, धमाणा, ताणा, रूद, दुगार, गोपालपुरा, बिनोता, पायरी एवं भाटोली बागरियान सहित 11 ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार 14 जुलाई को धनेतकलां, सेमलपुरा, भीमगढ़, जाडाना, सुदरी, मुंगाना, गुंदली, बोराव, गोविंदपुरा, मांगरोल, कन्नौज, रेवलियाकलां, महुड़ा एवं रावतपुरा सहित 14 ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित होंगे वहीं 13 जुलाई को नगर परिषद निंबाहेड़ा के वार्ड संख्या 40 एवं 41, नगर पालिका बड़ी सादड़ी के वार्ड संख्या 22, नगर पालिका कपासन के वार्ड संख्या 23, नगर पालिका रावतभाटा के वार्ड संख्या 36 से 38, नगर पालिका बेगूं के वार्ड संख्या 31 तथा नगर पालिका अकोला के वार्ड संख्या 18 में शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार 14 जुलाई को नगर परिषद निंबाहेड़ा के वार्ड संख्या 42 एवं 43, नगर पालिका बड़ी सादड़ी के वार्ड संख्या 23 एवं 24, नगर पालिका कपासन के वार्ड संख्या 24, नगर पालिका रावतभाटा के वार्ड संख्या 36 से 38, नगर पालिका बेगूं के वार्ड संख्या 22 एवं 23 तथा नगर पालिका अकोला के वार्ड संख्या 19 में शहरी सेवा शिविर आयोजित होंगे।

शिकंजा फिल्म के माध्यम से विद्यार्थियों को किया नशामुक्ति के लिए जागरूक

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। पीएम श्री महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय राजनगर के ऑडिटोरियम में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान राजसमंद पुलिस द्वारा साउंड ऑफ लाइफ और जाह्नवी कला परिषद के सहयोग निर्मित लघु फिल्म

शिकंजा का प्रदर्शन किया गया, जिसने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से रूबरू कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि नशा न केवल स्वास्थ्य को खोखला करता है, बल्कि यह परिवार को दुखी और भविष्य को अंधकारमय बना देता है। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ समाज और राष्ट्र के निर्माण के लिए नशे से दूर रहना अनिवार्य है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे न केवल स्वयं नशामुक्त रहें, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी इसके खतरों के प्रति जागरूक करें। विद्यालय के पीएम प्रभारी भूपेंद्र लडडा ने बताया कि कार्यक्रम में शिकंजा फिल्मके माध्यम से ड्रग्स के विरुद्ध एक सशक्त कहानी प्रस्तुत की गई, जिसने विद्यार्थियों को नशे की भयावहता को गहराई से समझने का अवसर दिया।

नशामुक्ति से संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित

नशामुक्ति प्रभारी पुष्पेंद्र पणिक्कर ने नशामुक्ति से संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित कीं। विशिष्ट अतिथि पुलिस उपाधीक्षक नेत्रपाल सिंह, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र सिंह चारण, राजनगर थानाधिकारी संजय सिंह और उप निरीक्षक कैलाश चंद्र पालीवाल मौजूद रहे। अतिरिक्त पुलिस उपाधीक्षक नेत्रपाल सिंह ने सभी विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन जीने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहें प्रधानाचार्य कमलेश काहाल्या ने विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस आयोजन को सफल बनाने में व्यावसायिक शिक्षक घनश्याम शर्मा ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर स्नेहलता जैन, कैलाशचंद्र मीणा, राजेशचंद्र खटीक, कैलाश चंद्र रेगर, नीतू बडगुर्जर, लक्ष्मी नारायण पालीवाल, अंकिता मूंदड़ा, श्रवण सिंह राव, हेमेंद्र सिंह गहलोत, विक्की सिंह सहित राजनगर थाने के पुलिस जवान तथा राजनगर बालिका विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के माध्यम से राजसमंद पुलिस और शिक्षा विभाग ने युवाओं को एक सकारात्मक दिशा देने का सराहनीय प्रयास किया है।

ट्रांसपोर्टरों का बड़ा ऐलान : वीएलटीडी और अव्यावहारिक नियमों के विरोध में आज से होगा चक्का जाम

ट्रांसपोर्टर और वाहन मालिक मुख्यमंत्री के नाम सौंपेंगे ज्ञापन

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। राजस्थान में परिवहन संबंधी विभिन्न समस्याओं और सरकारी नीतियों के विरोध में प्रदेशव्यापी हड़ताल के आह्वान के बाद राजसमंद में भी ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों ने मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को प्रस्तावित प्रदेशव्यापी हड़ताल और चक्का जाम को पूर्ण रूप से सफल बनाने के उद्देश्य से रविवार को राजसमंद ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन एवं द राजसमंद ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की बैठक श्यामसुंदर काबरा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़ी जटिल समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी व्यवसायी इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि राजस्थान में वीएलटीडी यानी व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस लागू करने की प्रक्रिया पूरी तरह से अव्यावहारिक है। प्रदेश में अधिकांश स्थानों पर अभी तक अधिकृत एजेंसियों द्वारा जीपीएस फिटमेंट का कार्य ही शुरू नहीं हुआ है, जबकि दूसरी ओर प्रशासन द्वारा इस

डिवाइस की अनिवार्यता के कारण हजारों व्यावसायिक वाहनों के परमिट जारी करने और उनके नवीनीकरण की प्रक्रिया को बुरी तरह प्रभावित किया गया है। इस हठधर्मिता के चलते वाहन मालिकों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है और उनके वाहन संचालन में अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। इसके साथ ही बैठक में ई-चालान व्यवस्था और प्रशासनिक स्तर पर समस्याओं के समाधान में हो रही लगातार देरी पर गहरा असंतोष व्यक्त किया गया। बैठक में श्याम सुंदर काबरा, हिम्मत सिंह राठौड़, अरविंद शर्मा, बनाराम चौधरी, जितेंद्र श्रीमाली, विपिन सेन, जमीर अहमद, सुरेंद्र कुमार, उमर भाई, लोकेश पांचोली, बनवारी लाल, कासम खान, नरेंद्र शर्मा, पप्पू भाई, प्रदीप पालीवाल, महेंद्रसिंह, विरेंद्र सिंह, लवली गोयल एवं प्रभुलाल सहित ट्रांसपोर्ट व्यवसायी एवं वाहन मालिक उपस्थित रहे।

एकजुटता का आह्वान : मुख्यमंत्री के नाम सौंपेंगे ज्ञापन

वक्ताओं ने कहा कि परिवहन उद्योग देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन खेद का विषय है कि सरकार और संबंधित विभाग ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों की वास्तविक और जायज समस्याओं की लगातार उपेक्षा कर रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों का सीधा और बुरा असर वाहन मालिकों, ट्रक संचालकों, चालकों और उन पर निर्भर परिवारों की आजीविका पर पड़ रहा है, जिसे अब और अधिक बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आंदोलन की रूपरेखा तय करते हुए यह निर्णय लिया गया कि सोमवार सुबह 11 बजे जिलेभर के ट्रांसपोर्टर और वाहन मालिक बड़ी संख्या में राजसमंद कलेक्ट्रेट परिसर में एकत्रित होंगे। यहाँ जिला प्रशासन के माध्यम से राजस्थान के मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा जाएगा, जिसमें ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से संबंधित तमाम समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की जाएगी। इस ज्ञापन के कार्यक्रम के तुरंत बाद राजस्थान ट्रक ट्रांसपोर्ट संघर्ष समिति द्वारा घोषित प्रदेशव्यापी हड़ताल और चक्का जाम का आगाज कर दिया जाएगा। संगठन के पदाधिकारियों ने जिले के सभी ट्रांसपोर्टरों, वाहन मालिकों और परिवहन व्यवसाय से जुड़े साथियों से एकजुट होकर इस आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया है।

सनातन विरोधियों के दुष्प्रचार से सावधान रहें, रामभक्तों की आस्था पर राजनीति स्वीकार्य नहीं: विधायक

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी चोरी की घटनाओं को बहाना बनाकर कुछ सनातन विरोधी दल और तत्व सुनियोजित दुष्प्रचार का अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण का सदैव विरोध किया, जिन्होंने प्रभु श्रीराम के अस्तित्व पर भी प्रश्न उठाए और जो लगातार सनातन पर आघात करने का प्रयास करते रहे हैं, वही आज रामभक्तों की आस्था को ठेस पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से ऐसे भ्रामक प्रचार से सतर्क रहने का आह्वान किया। विधायक माहेश्वरी विधायक जनसुनवाई केंद्र पर आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित कर कहा कि सनातन धर्म में आस्था रखने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं का उत्तर प्रदेश सरकार की निष्पक्ष कार्रवाई तथा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की प्रबंधन व्यवस्था पर पूरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर संबंधित एजेंसियां विधिसम्मत कार्रवाई कर रही हैं। और तथ्यों के सामने आने से पहले भ्रम फैलाना समाज के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम केवल आस्था के केंद्र ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, मर्यादा और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं। ऐसे में उनके नाम पर राजनीति करने और असत्य तथ्यों के आधार पर समाज में भ्रम फैलाने के प्रयास सफल नहीं होंगे। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे केवल प्रमाणित सूचनाओं पर विश्वास करें तथा समाज में सद्भाव और विश्वास का वातावरण बनाए रखने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा क्षेत्रीय नागरिक मौजूद थे। सभी ने सामाजिक समरसता, सनातन परंपराओं के सम्मान और राष्ट्रहित के विषयों पर अपने विचार साझा किए।

खूब पढ़कर माता-पिता, देश व समाज का नाम रोशन करें उइके

जनजाति कार्य राज्य मंत्री का खेरवाड़ा के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में हुआ भव्य स्वागत

राजस्थान दर्शन

खेरवाड़ा। केंद्रीय जनजाति कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने छात्रों से मन लगाकर खूब पढ़ने तथा माता-पिता, देश व समाज का नाम रोशन करने का आह्वान किया । उइके उपखंड मुख्यालय स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के छात्रों से मुलाकात के दौरान अपने विचार व्यक्त कर रहे थे ।उन्होंने कहा कि मन एकाग्र हो, धैर्य हो तथा परिश्रम का सामर्थ्य हो तो दुनिया में सभी प्रकार की उपलब्धियां प्राप्त की जा सकती हैं। उइके ने कहा कि कक्षा में जब भी अध्ययन हो रहा हो तब अपना मन ब्लैक बोर्ड पर केंद्रित होना चाहिए तथा एकाग्रचित होकर अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के विख्यात वैज्ञानिक, अधिकारी, उद्योगपति बने, उन्होंने धैर्य, लक्ष्य के प्रति अगाध निष्ठा, समर्पण, एकाग्रता की पराकाष्ठा की, तभी वह

सफलता को प्राप्त कर सके। उन्होंने ने कहा कि आपके माता-पिता ने कई सुखद सपने लेकर आपको विद्यालय में भेजा है, उनके सपने को पूरा करने की जिम्मेदारी आपकी है ।देश के प्रधानमंत्री मोदी जी आपको हर तरह की सुविधा देने को तत्पर है। आप केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाकर अपने जीवन को सफल बनाने का लक्ष्य बनाएं। उइके ने कहा कि आपको किसी भी प्रकार की परेशानी हो समस्या हो तो आप मुझे बताएं मैं एक मंत्री के रूप में नहीं अभिभावक के रूप में आपके बीच आया हूं। इस दौरान सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके का जनजाति बहुत क्षेत्र में आगमन पर स्वागत अभिनंदन किया। समारोह में राज्य के जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, भाजपा देहात जिला अध्यक्ष पुष्कर तेली, पूर्व विधायक नानालाल आहारी, पूर्व प्रधान अमृतलाल डामोर ,भाजपा के वरिष्ठ नेता पारस जैन तथा मंडल अध्यक्ष हेमंत मेहता भी मचासिन थे तथा छात्रों को मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्रदान किया ।

पौधारोपण कर रक्षा का दिलाया संकल्प

इस दौरान केंद्रीय मंत्री उइके ने विद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 11 पौधे लगाकर पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया । प्रारंभ में विद्यालय पहुंचने पर अतिथियों का पारंपरिक रीति रिवाज एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर उपनिदेशक एवं पदेन प्रभारी ओपी मेहता, प्रबंधक शिवजी गोड, उप प्रबंधक एमएल गर्ग तथा एमआरएस खेरवाड़ा के उप्राचार्य आलोक शर्मा सहित विद्यालय परिवार ने अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया। समारोह में भाजपा महिला मोर्चा जिला महामंत्री नैना पंचोली, ऋषभदेव ग्रामीण मंडल अध्यक्ष ईश्वर मीणा, मंडल उपाध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, मंडल महामंत्री विक्रांत कोठारी, युवा नेता राजेंद्र खराड़ी एवं भावनेश मीना ,सुनील राजपुरोहित, पूर्व मंडल अध्यक्ष नारायण कलासुआ सहित विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों की गरिमामय में उपस्थिति रही।

जल विभाग की लापरवाही: शांति कॉलोनी में हजारों लीटर पेयजल बर्बाद, सडक़ों पर भरा पानी

स्थानीय लोगों का आरोप, सूचना के बाद भी सुस्त रहा विभाग

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। शहर की शांति कॉलोनी स्थित गर्ल्स स्कूल के पास जल विभाग की घोर लापरवाही का मामला सामने आया है, जहां पेयजल पाइपलाइन से हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह गया। शनिवार रात से शुरू हुआ रिसाव रविवार सुबह तक जारी रहा, जिससे सडक़ें तालाब में तब्दील हो गईं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, शनिवार रात करीब 8 बजे पाइपलाइन फटने की जानकारी हुई। देखते ही देखते पानी का तेज बहाव सडक़ पर फैल गया। लोगों ने बताया कि शनिवार रात 8 बजे से लेकर रविवार सुबह 7 बजे तक लगातार पानी बहता रहा, लेकिन इस दौरान विभाग का कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा।

राहगीरों और वाहन चालकों की बढ़ी मुश्किलें

पानी के अत्यधिक बहाव के कारण पूरी सडक़ जलमग्न हो गई। सुबह स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं और कार्यस्थल पर जाने वाले वाहन चालकों को घुटनों तक भरे पानी से होकर गुजरना पड़ा। फिसलन के कारण कई दोपहिया वाहन चालकों के गिरने का अंदेशा बना रहा, जिससे लोगों में विभाग के प्रति भारी आक्रोश है। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि समस्या की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दी गई थी, इसके बावजूद विभाग की ओर से न तो समय पर मरम्मत की गई और न ही जल आपूर्ति को रोका गया। भीषण गर्मी के दौर में जहां पानी की एक-एक बूंद कीमती है, वहां हजारों लीटर पानी का यूं बर्बाद होना विभाग की संवेदनहीनता को दर्शाता है। शांति कॉलोनी के निवासियों ने जलदाय विभाग के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि फटी हुई पाइपलाइन की तुरंत मरम्मत कराई जाए। इस मामले की जांच कर लापरवाह कर्मचारियों पर कार्रवाई हो। तथा भविष्य में जल रिसाव की सूचना पर त्वरित कार्रवाई के लिए कोई प्रभावी इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम विकसित कि

आलोक स्कूल में विश्व जनसंख्या दिवस पर पोस्टर मेकिंग, स्लोगन कॉम्पिटिशन का आयोजन

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। आलोक स्कूल में विश्व जनसंख्या दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे - पोस्टर मेकिंग, स्लोगन, निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी कक्षा के अनुसार उत्साह से भाग लेकर अपनी जनसंख्या विस्फोट को रोकने के प्रति अपनी अभिव्यक्ति प्रकट की। निदेशक डॉ प्रदीप कुमावत, प्रशासक मनोज कुमावत, प्राचार्य ललित गोस्वामी व सहायक प्रशासक ध्रुव कुमावत ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को बधाई देकर उत्साहवर्द्धन किया। निदेशक कुमावत ने बताया कि इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस की थीम युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं को साकार करना - वर्तमान तथा भविष्य के लिये है जिसके माध्यम से यह विषय युवाओं के अधिकारों, उनकी

बेहतर शिक्षा, उत्तम स्वास्थ्य और उन्हें एक आशापूर्ण दुनिया में अपने मनचाहे भविष्य के निर्माण के लिए सशक्त बनाने के प्रयासों पर आधारित है। प्रत्येक 11 जुलाई को जनसंख्या से बढ़ते खतरों के प्रति सावधान करने के उद्देश्य से यह दिवस मनाया जा रहा है। लगातार बढ़ती जनसंख्या से मानव सभ्यता को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। रोटी, कपड़ा और मकान के लिए वो संघर्ष करता रहता है। अब जनसंख्या को बढने से रोकने के हर उपायों को अमल में लाना है और लोगों के अच्छे भविष्य के लिए मिलजुलकर प्रयास करने होंगे। प्राचार्य गोस्वामी ने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस पर विद्यालय में पोस्टर मेकिंग व स्लोगन कॉम्पिटिशन का आयोजन कक्षाओं में ही किया गया। जिसमें बच्चों ने जनसंख्या के महाविस्फोट से बचने व बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर अपनी तूलिका के रंग से व अपनी अभिव्यक्ति प्रकट की। बच्चों ने हिंदी व अंग्रेजी भाषा मे निबंध लेखन में उत्साह से भाग लिया।

सांसद सीपी जी जोशी से मिलकर नवीन कार्यकारिणी ने किया आभार व्यक्त

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़। भारतीय जनता पार्टी नगर मण्डल चंदेरिया की नवीन कार्यकारिणी ने मण्डल अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में सांसद सीपी जोशी से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। महामंत्री पूरन सिंह राणा ने बताया कि इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने सांसद सीपी जोशी का मेवाड़ी पगड़ी एवं ऊपरना ओढ़ाकर तथा मुंह मीठा करवाकर सम्मान किया एवं नवीन कार्यकारिणी के गठन पर उनके मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मण्डल महामंत्री, कैलाश अग्रवाल, बालकिशन भोई, मंडल संरक्षक रोहिताश

जाट, संजय सुवालका, उपाध्यक्ष ओम सुवालका, मुकेश काबरा, मिट्ठूलाल जायसवाल, घनश्याम मेनारिया, मनोज सुवालका,अतुल भट्टनागर, हंसराज सुवालका, राधेश्याम प्रजापत, रामसिंह राठौड़ भगवान भोई, मंत्री मृदुल जोशी, दिनेश गवारिया,देवीलाल सालवी, मनोज चौधरी, महेंद्र सिंह सूरजनियास, रतन भोई, कोषाध्यक्ष सतीश सोमानी, मीडिया प्रभारी अरमान खान, सह मीडिया प्रभारी, आईटी प्रमुख पवन वैष्णव, मन की बात प्रभारी बलवंत बाबेल, सह प्रभारी राजू नायक, प्रवक्ता विक्रम गवारिया, संजय शर्मा, हेमंत भोई, खेमराज भोई सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सलूंबर में युसीसी पर कांग्रेस का विरोधः सचिन पायलट के दौरे की भी बनाई रणनीति

सलूंबर

समान नागरिक संहिता को लेकर सलूंबर में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। जिला कांग्रेस कमेटी ने युसीसी से जुड़े सरकारी आयोजनों के बहिष्कार का ऐलान किया है। पार्टी ने कहा है कि यदि जिले में इस विषय पर कोई सरकारी कार्यक्रम आयोजित किया जाता है तो कांग्रेस विरोध प्रदर्शन करेगी और ज्ञापन देकर अपना विरोध दर्ज कराएगी। यह निर्णय जिला कांग्रेस मुख्यालय में जिलाध्यक्ष परमानंद मेहता एडवोकेट की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक में युसीसी के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई और प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार विरोध की रणनीति तय की गई। जिलाध्यक्ष परमानंद मेहता ने कहा कि राज्य सरकार ने समान नागरिक संहिता को लेकर अब तक कोई स्पष्ट मसौदा या प्रारूप सार्वजनिक नहीं किया है। उनका कहना था कि ऐसे में बिना प्रारूप के जनता से सुझाव मांगना केवल औपचारिकता और भ्रम की स्थिति पैदा करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह के मुद्दों के जरिए सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करने और जनहित से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों से लोगों का ध्यान भटकाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले में युसीसी को लेकर सरकार का कोई भी कार्यक्रम होने पर कांग्रेस उसका बहिष्कार करेगी और विरोध प्रदर्शन के साथ ज्ञापन सौंपेगी। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के 14 जुलाई को प्रस्तावित सलूंबर दौरे को लेकर भी चर्चा हुई। सर्वसम्मति से तय किया गया कि दोपहर 12:30 बजे आरटीओ सर्कल पर उनका स्वागत किया जाएगा। स्वागत कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तीनों ब्लॉक अध्यक्षों और उनके अधीन मंडल अध्यक्षों को कार्यकर्ताओं तक सूचना पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कांग्रेस पदाधिकारियों का दावा है कि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता आरटीओ सर्कल पहुंचकर सचिन पायलट का स्वागत करेंगे।

शोभायात्रा में 3 महिलाओं से चेन-मंगलसूत्र छीनकर भागे बदमाश

उदयपुर

उदयपुर में जैन समाज की शोभायात्रा में बदमाशों ने एक के बाद एक तीन महिलाओं के गले से सोने की चेन और मंगलसूत्र छीनकर मौके से फरार हो गए। मुनि आदित्य सागर महाराज ससंघ के मंगल प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्र में शोभायात्रा निकाली जा रही थी। धार्मिक आयोजन में करीब एक हजार की संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए थे। भीड़ का फायदा उठाकर बदमाशों ने सेक्टर-11 स्थित आलोक स्कूल से जैन मंदिर के बीच इस वारदात को अंजाम दिया। वारदात की सूचना मिलते ही सवीना थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पीड़ित महिलाओं की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालते हुए आरोपियों की तलाश कर रही है। उदयपुर में चेन स्नेचिंग की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे ठीक एक दिन पहले भी हिरण मगरी थाना क्षेत्र में इसी तरह की चेन स्नेचिंग की वारदात सामने आई थी। मामले में थानाधिकारी दलबीर सिंह ने बताया- महिला रेणुका जैन(53) पत्नी गजेन्द्र कुमार जैन निवासी गोवर्धन विलास के गले से ढाई तोला सोने का मंगलसूत्र छीनकर ले गए। वहीं, महिला लीलादेवी सिंघवी(75) पत्नी जीवनलाल निवासी नेमीनाथ कॉलोनी के गले से डेढ़ तोला सोने की चेन और महिला इन्द्रदेवी जैन(56) पत्नी झमक लाल जैन निवासी सर्वऋतु विलास के गले से डेढ़ तोला सोने का मंगलसूत्र छीनकर ले गए। बदमाशों ने भीड़ का फायदा उठाकर चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम दिया। तीन महिलाओं के साथ शोभायात्रा में अलग-अलग जगह वारदात हुई। पुलिस आसपास सीसीटीवी खंगालते हुए आरोपियों की तलाश में जुटी है।

करोड़ों रुपए की छात्रवृत्ति ठगी गिरोह का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

डीडवाना-कुचामन

डीडवाना-कुचामन पुलिस ने केंद्र सरकार के नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) से जुड़ी करोड़ों रुपए की छात्रवृत्ति ठगी के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के मुख्य सरगना और 21 हजार रुपए के इनामी बदमाश इमरान अली उर्फ सरजू को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एसपी डॉ. प्यारेलाल शिवरान के निर्देश पर

की गई। पुलिस के अनुसार यह ठगी वर्ष 2021-22 और 2022-23 में हुई थी। इसमें केंद्र सरकार द्वारा अल्पसंख्यक छात्रों को एनएसपी पोर्टल के माध्यम से दी जाने वाली छात्रवृत्ति में फर्जीवाड़ा कर करोड़ों रुपए हड़पे गए। इस मामले के सामने आने के बाद अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के निर्देश पर राजस्थान के विभिन्न जिलों में अब तक लगभग 28 मामले दर्ज किए गए हैं। डीडवाना जिले के डीडवाना, नावां और मकराना थानों में भी मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि इस मामले में पहले पश्चिम बंगाल में जुबेर आलम, मंसूर आलम और एमडी मुन्ना मुस्तक को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुख्य आरोपी इमरान अली उर्फ सरजू के ठिकाने पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने 18 फर्जी शिक्षण संस्थानों की मुहरें, 105 मोबाइल सिम, विभिन्न संस्थानों की लगभग 1 करोड़ 58 लाख 970 रुपए की फर्जी रसीदें बरामद कीं। इसके अलावा 4 क्लोन अंगूठा निशान, एक फिंगरप्रिंट मशीन, मोबाइल पेमेंट टर्मिनल, कैमरे, चार्जर और बांग्लादेश निर्मित चार-सिम वाला मोबाइल भी जब्त किया गया। आरोपी के कब्जे से ठगी के 44 हजार रुपए नकद, 4 मोबाइल फोन, बैंक पासबुक, 7 एटीएम कार्ड और अन्य दस्तावेज भी जब्त किए गए। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह वर्तमान में भी फर्जी तरीके से केंद्र सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में ठगी कर रहा था। आरोपी के बैंक खाते में 4 मार्च 2026 को भी 1.69 लाख रुपए जमा होने के प्रमाण मिले हैं। पुलिस मामले में गिरोह के अन्य सदस्यों और ठगी के नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है।

राम मंदिर के बाद अब राजस्थान के बुटाटी धाम में महाघोटाला! 22 करोड़ के गबन पर एसडीएम की रिपोर्ट ने उड़ाए सबके होश

नागौर

जब धर्म और आस्था की बात आती है तो भारत की बड़ी आबादी आंख मूंद कर भरोसा कर लेती है। आस्था के नाम पर लाखों करोड़ों रुपए दान कर दिए जातें हैं। श्रद्धालु और भामाशाह यह जानने की कोशिश भी नहीं करते कि उनकी ओर से दान किए गए रुपयों का दुरुपयोग हो रहा है या नहीं। इसी का फायदा उठाते हुए कई कथित पुजारी, संत और मंदिर समिति के पदाधिकारी करोड़ों रुपए का गबन कर जाते हैं। हाल ही में अयोध्या के भगवान श्रीराम के मंदिर में चढ़ावा चोरी का बड़ा प्रकरण सामने आया जहां समिति के सदस्य ही चोरी करते पाए गए। अब राजस्थान के एक प्रसिद्ध मंदिर में भी करोड़ों रुपए का गबन सामने आया है। राजस्थान के नागौर जिले में चतुरदास जी महाराज का प्रसिद्ध धाम है। यह धाम बुटाटी में है। मंदिर के विकास और रखरखाव के लिए समिति बनी हुई है। समिति के पदाधिकारियों पर अब करोड़ों रुपए के गबन के आरोप लगे हैं। ना केवल आरोप

बल्कि उपखंड अधिकारी की जांच रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ है कि मंदिर समिति के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह बुटाटी और अन्य सदस्यों ने मिलकर करीब 22 करोड़ रुपए का गबन किया है। समिति पर पिछले एक साल से गंभीर आरोप लग रहे थे। इसके बाद तत्कालीन जिला कलेक्टर अरुण पुरोहित ने डेगाना एसडीएम मोहन चौधरी के नेतृत्व में जांच कमेटी का गठन किया। जांच कमेटी ने जिला कलेक्टर को अपनी रिपोर्ट सौंपी है जिसमें करीब 22 करोड़ रुपए के गबन के प्रमाण प्रस्तुत किए गए हैं। श्री चतुरदास जी मंदिर बुटाटी की समिति ने पिछले ढाई तीन साल से चढ़ावे और खर्च का लेखा जोखा पेश करना बंद कर दिया। हालांकि समिति के पदाधिकारी कहते हैं कि उनके पास पूरा लेखा जोखा है लेकिन एसडीएम की जांच रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर समिति ने भारी वित्तीय गड़बड़ियां की है। चढ़ावे में आए रुपयों का पूरा हिसाब नहीं रखा गया। सोने चांदी के आभूषण जो कि दान किए गए थे। उनका कोई हिसाब नहीं रखा गया। बड़े-बड़े भामाशाहों ने लाखों रुपए दान करके जो विकास कार्य अपने पैसों से कराए, उसे समिति ने अपना खर्चा बताते हुए बड़ा गबन कर दिया। एसडीएम की जांच रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर की नई समिति ने सोने चांदी के चढ़ावे का बड़ा गबन किया। पुरानी समिति के पास 36 किलो चांदी और 250 ग्राम सोना था। नई समिति ने कार्यभार ग्रहण करते समय 35.5 किलो चांदी और 280 ग्राम सोना बताया। वर्तमान में मंदिर समिति के अधीन कुल 2.60 करोड़ मूल्य की संपत्ति है, लेकिन इसका कोई लेखा जोखा दर्ज नहीं है। समिति ने ग्राम विकास कार्यों में भारी फर्जीवाड़ा किया। बुटाटी गांव के विकास के लिए 31 लाख 37 हजार रुपए खर्च करना बताया लेकिन किन ठेकेदारों से कार्य करवाया। इसका रिकॉर्ड नहीं दिया। खर्च के जो बिल समिति की ओर से पेश किए गए, उनकी सत्यता का कोई प्रमाण नहीं है क्योंकि ठेकेदारों और मजदूरों का कोई भौतिक प्रमाण नहीं है। मंदिर की दान पेटियों और बैंक खातों में भारी अनियमितताएं मिली है। दोनों में लाखों रुपए का अंतर पाया गया है। ग्राम सेवा सहकारी बैंक के खाते में करीब साढ़े तीन लाख रुपए और ग्रामीण बैंक खाते में करीब पौने दो लाख रुपए का अंतर पाया गया। जिससे यह साबित होता है कि चढ़ावे में लाखों रुपए का गबन किया गया है। मंदिर समिति ने भोजनशाला निर्माण के नाम पर भी 49.49 लाख रुपए का गबन कर दिया। भोजनशाला का निर्माण एक भामाशाह के द्वारा कराया गया था लेकिन समिति ने अपना खर्च बताते हुए फर्जी बिल पेश करके मंदिर समिति के रुपए निकाल लिए। समिति ने सीसीटीवी लगाने के नाम भी लाखों रुपए डकार लिए। सीसीटीवी लगाने के लिए कोई टेंडर जारी नहीं किया। एम जंक्शन सर्विसेज के नाम से 58.14 लाख रुपए का भुगतान होना दर्ज किया गया। वाउचर रानाबाई ट्रेडर्स के नाम से मिले।

एयरफोर्स जवान का हाथ तोड़ा, कुल्हाड़ी से सिर फोड़ाः सगे भतीजों और उसके साथियों ने हमला बोला

जोधपुर

जमीन पर अवैध कब्जे और तारबंदी हटाने को लेकर सगे भतीजों ने एयर फोर्स जवान भागाराम (47) और उनके छोटे भाई ओम प्रकाश (39) पर हमला बोल दिया। दोनों भाइयों को कुल्हाड़ी, सरियों और लाठियों से पीट-पीट कर अधमरा कर दिया। यह घटना जोधपुर के विवेक विहार थाना क्षेत्र के गुढ़ा विश्नोइयां (मंगल नगर) की है। गंभीर रूप से घायल एयरफोर्स जवान भागाराम को मिलिट्री हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। इस मामले में पुलिस ने 7 नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। रविवार दोपहर तक किसी की गिरफ्तारी भी नहीं हुई थी। ओमप्रकाश (39) पुत्र घेवरराम विश्नोई ने शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे विवेक विहार थाने में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि यह विवाद उनके सगे भाई रामसिंह के बेटों से चल रहा है। 10 जुलाई की सुबह करीब 10:30 बजे आरोपी जेसीबी और बजरी से भरा डम्पर लेकर जबरन उनके खेत में घुसे और वहां की गई तारबंदी को उखाड़ने लगे। जब ओमप्रकाश ने इस अवैध कब्जे का अपने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू किया, तो उनका सगा भतीजा अशोक भड़क गया। अशोक ने जान से

मारने की नीयत से अपनी सफेद रंग की कैंपर गाड़ी ओमप्रकाश के पीछे दौड़ा दी और जोरदार टक्कर मारकर उन्हें जमीन पर गिरा दिया। ओमप्रकाश के गिरते ही आरोपी राकेश, मनीष और महेंद्र ने लोहे के पाइप और लाठियों से उनके सिर और शरीर पर ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। ओमप्रकाश की चीख-पुकार सुनकर उनकी पत्नी हेमा और बड़े भाई (एयरफोर्स जवान) भागाराम दौड़कर मौके पर पहुंचे। भागाराम ने जब अपने भाई को बचाने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने उन पर भी रहम नहीं खाया। आरोपी पिंटू और उनके साथ आई एक महिला ने जान से मारने की नीयत से भागाराम के सिर पर कुल्हाड़ी से सीधा वार कर दिया। इसी बीच महेंद्र ने लाठी और अशोक ने लोहे की रॉड से हमला बोल दिया। सिर पर होने वाले वार को रोकने के लिए जब जवान ने अपना हाथ आगे किया, तो रॉड के भारी प्रहार से उनका हाथ फ्रैक्चर हो गया। आरोपी दोनों भाइयों को मरा हुआ समझकर, उनका मोबाइल लेकर मौके से फरार हो गए। इस पूरे मामले में पीड़ित परिवार ने विवेक विहार थाना पुलिस की मिलीभगत और ढिलाई पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित ओमप्रकाश ने बताया कि हमलावर (भतीजे अशोक व मनीष) आदतन अपराधी प्रवृत्ति के हैं

100 करोड़ के जिला अस्पताल में एक साल में दरारें, एल्युमिनियम प्लेटों से छिपाने की कोशिश नाकाम

दौसा

दौसा जिले के लालसोट उपखंड मुख्यालय स्थित श्यामपुरा रोड पर करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से बने अत्याधुनिक जिला अस्पताल भवन में उद्घाटन के महज एक साल बाद ही बड़ी-बड़ी दरारें दिखाई देने लगी हैं। भवन में आई इन दरारों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सरकारी धन के उपयोग पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले के सामने आने के बाद विभागीय अधिकारियों और निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि भवन के निचले हिस्से में आई दरारों को छिपाने के लिए ठेकेदार ने

एल्युमिनियम प्लेटें लगाकर पैबंद लगाने का प्रयास किया था। हालांकि समय के साथ ये प्लेटें कई स्थानों से उखड़ गईं, जिससे अंदर की गहरी दरारें साफ दिखाई देने लगीं। स्थानीय लोगों ने इसकी तस्वीरें और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किए, जिसके बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई। गौरतलब है कि जयपुर के एसएमएस अस्पताल की तर्ज पर बनाए गए इस 200 बेड के आधुनिक जिला अस्पताल और 50 बेड के मदर एंड चाइल्ड विंग का उद्घाटन मई 2025 में चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने किया था। अस्पताल परिसर में चिकित्सकों के लिए आवासीय क्वार्टर भी बनाए गए हैं। लेकिन उद्घाटन के एक साल के भीतर ही भवन में दरारें सामने आने से लोगों में चिंता बढ़ गई है। इस मामले पर जिला अस्पताल के पीएमओ डॉ. राजकुमार सेहरा ने बताया कि करीब सात-आठ महीने पहले भी इस संबंध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) को पत्र भेजा गया था। उस समय विभाग की ओर से बताया गया था कि दरारें ड्रेनेज पाइपलाइन के प्लास्टर से संबंधित हैं और मुख्य भवन पूरी तरह सुरक्षित है। अब दोबारा मामला सामने आने पर एनएचएम को फिर से लिखित रूप में अवगत कराया गया है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि जनता के टैक्स के करीब 100 करोड़ रुपये से बने अस्पताल भवन की इतनी जल्दी खराब स्थिति चिंता का विषय है। उनका आरोप है कि यदि निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता का होता तो एक साल के भीतर ऐसी स्थिति नहीं बनती। क्षेत्रवासियों ने पूरे निर्माण कार्य की किसी स्वतंत्र और निष्पक्ष तकनीकी एजेंसी से जांच कराने तथा दोषी ठेकेदार और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर जवाबदेही तय करने की मांग की है।

युवक पर कुल्हाड़ी से हमला, सिर में धंसीः बारां में डॉक्टर बाहर नहीं निकाल पाए

कोटा

बारां जिले में रात में सो रहे युवक पर बदमाश ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। कुल्हाड़ी युवक के सिर में धंस गई। युवक के चिल्लाने पर पास में सो रही पत्नी उठी तो आसपास कोई नहीं था। युवक के सिर में कुल्हाड़ी धंसी थी और तेजी से खून बह रहा था। आसपास के लोगों की मदद से घायल को भंवरगढ़ अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद बारां जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहां भी डॉक्टर कुल्हाड़ी नहीं निकाल सके। इसके बाद युवक को परिजन सुबह 5 बजे कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लाए। जहां दोपहर 3:40 बजे डॉक्टरों ने ऑपरेशन शुरू किया। मामला भंवरगढ़ थाना क्षेत्र के आमापुरा शनिवार रात करीब दो बजे का है। डॉक्टर रिजवीस ने बताया- बारां के आमापुरा निवासी रामजीलाल (30) के सिर में कुल्हाड़ी अंदर तक धंस गई है। इससे ब्रेन को गंभीर क्षति हुई है। जल्द ऑपरेशन कर कुल्हाड़ी निकालने का प्रयास करेंगे। घायल रामजीलाल की पत्नी ममता ने बताया- घटना रात करीब 2 बजे हुई है। उस समय मैं, पति और मेरी बेटी घर में सो रहे थे। तभी एक अज्ञात व्यक्ति घर में घुसा और पति रामजीलाल के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर फरार हो गया। हमले के बाद पति के चिल्लाने पर परिवार उठा और चीख-पुकार मच गई। इसके बाद आसपास के लोगों की मदद से पति को अस्पताल लेकर गई। ममता ने कहा- मेरे पति का किसी से कोई झगड़ा

नहीं है। वह ट्रैक्टर चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। आखिर हमला किसने और क्यों किया, इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है। फिलहाल रामजीलाल का इलाज कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। परिजनों के अनुसार- सुबह करीब 5 बजे कोटा के अस्पताल पहुंचने के बाद भी सिर में धंसी कुल्हाड़ी को अभी तक नहीं निकाला जा सका है। भंवरगढ़ थाना अधिकारी गोपीलाल आर्या ने बताया- देर रात करीब 2:30 बजे घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। घायल को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए पहले बारां और फिर कोटा रेफर किया गया। उन्होंने बताया कि रात में ही पुलिस की कई टीमें आरोपियों की तलाश में लगा दी गई थीं और आसपास के क्षेत्रों में लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। घायल के बयान दर्ज करने के लिए एसआई को कोटा भेजा गया है। जल्द ही हमलावर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लग्जरी कार में मिली अवैध अंग्रेजी शराब, आरोपी पकड़ा

पाली

पाली शहर में एक कार से 672 पव्वे अवैध अंग्रेजी शराब बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार शराब को ट्रेन से गुजरात भेजने की तैयारी थी। औद्योगिक थाने के एएसआई ओमप्रकाश जोशी ने बताया कि 11 जुलाई की रात करीब 1:30 बजे रात्रि गश्त के दौरान शराब की तस्करी की सूचना मिली थी। गश्त के दौरान तलाशी में पता चला कि सरदार पटेल नगर क्षेत्र में रेलवे ओवरब्रिज के नीचे सुभाष नगर-ए में खड़ी एक सफेद क्रेटा कार में अवैध शराब भरी हुई है। कार चला रहे रविन्द्र सिंह (33) निवासी सुभाष नगर-ए, पाली को हिरासत में लिया है। तलाशी के दौरान कार में रखे सात प्लास्टिक कट्टों में 14 स्टील टैंकों से कुल 672 पव्वे अंग्रेजी शराब के मिले। पुलिस ने नमूने लेकर एफएसएल जांच के लिए सुरक्षित किए गए और शेष शराब को जब्त कर सील किया गया। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शराब को ट्रेन के जरिए गुजरात भेजने की तैयारी थी। पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

बाड़मेर में मानसून कमजोर पड़ा, किसानों की चिंता बढ़ी

आंधी से फसलों को नुकसान; भाटी बोले- सरकार पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराएं

बाड़मेर

बाड़मेर में मानसून कमजोर पड़ गया है। जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। इन दिनों आंधी का दौर चल रहा है। आसमान में धुल के गुबार छाए हुए है। वहीं, किसान और बाड़मेर के लोग इंद्रदेव को मनाने के लिए यज्ञ कर आहूतियां दे रहे है। वहीं विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कलेक्टर को पत्र लिखकर पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराने की मांग की है। बाड़मेर में अब तक सिर्फ 10 फीसदी ही बारिश हुई है। जिलेभर में 90 फीसदी हिस्सा पूरी तरह से सूखा पड़ा है। कई किसानों ने खेत में बुवाई कर दी थी। किसान बारिश के इंतजार में बैठे है। किसानों का कहना है कि बारिश नहीं होने से पशुओं के चारे का भी संकट हो जाएगा।

इसको लेकर शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने जिला कलेक्टर को चिट्ठी लिखी है। दरअसल, बाड़मेर जिले में प्री-मानसून में जून माह में एक बारिश हुई थी। इसके बाद मानसून की पश्चिमी राजस्थान में एंट्री हो गई थी, लेकिन मानसून की बेरुखी के चलते बारिश नहीं हुई। मानसून कमजोर होने की वजह से आगामी कुछ दिनों में बारिश होने के आसार नहीं है। शनिवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री दर्ज किया गया है। रविवार को न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार को सुबह से आसमान में धूल छाई हुई है। ग्रामीणों इलाकों में धूल भरी आंधी चल रही है। इससे रेत सड़कों पर जमा हो गई। वहीं हाईवे पर रेत चल रही है। मानों जैसे नदी बह रही है। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने जिले में संभावित चारा संकट को लेकर जिला कलेक्टर को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने संकटग्रस्त गांवों और ढाणियों में तुरंत पशु चारा शिविर शुरू करने की मांग की है। भाटी ने कहा- पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तापूर्ण चारा उपलब्ध कराया जाए। रविवार को जिले भर में सुबह से ही धुलभरी आंधी चली। इससे जिले के कुछ इलाकों में, जहां बारिश के बाद बुवाई हुई थी। वहां अंकुरित हो रही फसलों को नुकसान पहुंचा है। आगामी कुछ दिनों तक मौसम ऐसा ही रहने की संभावना है। इस बार मानसून बेहद कमजोर है। 10 जुलाई तक जिले में औसत 10 एमएम बारिश भी नहीं हुई है। 2025 में 10 जुलाई तक 55 एमएम बारिश हो चुकी थी। 2024 में भी 10 जुलाई तक 50 एमएम से ज्यादा बारिश हुई।

21 साल की लिंडा नोस्कोवा पहली बार बनीं विंबलडन क्वीन

मुचोवा को हराकर रचा इतिहास

● नई दिल्ली

चेक गणराज्य की 21 वर्षीय टेनिस स्टार लिंडा नोस्कोवा ने विंबलडन 2026 महिला एकल का खिताब जीतकर अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम अपने नाम कर लिया। शनिवार को खेले गए ऑल-चेक फाइनल में नोस्कोवा ने कैरोलिना मुचोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से हराकर प्रतिष्ठित वीनस रोजवॉटर डिश पर कब्जा जमाया। नोस्कोवा ने पहले सेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए आसानी से बढ़त बना ली। हालांकि दूसरे सेट में वह जीत से महज एक कदम दूर थीं, लेकिन पांच मैच प्वाइंट गंवाने के बाद मुकाबला तीसरे सेट तक खिंच गया। इसके बावजूद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए निर्णायक सेट 6-3 से जीत लिया और अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल कर लिया।

लिंडा नोस्कोवा पिछले चार वर्षों में विंबलडन महिला एकल का खिताब जीतने वाली तीसरी चेक खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले मार्केटा वोंद्रोसोवा ने 2023 और बारबोरा क्रेजिकोवा ने 2024 में यह प्रतिष्ठित खिताब जीता था। इस जीत के साथ चेक महिला टेनिस का दबदबा एक बार फिर साबित हुआ।

दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी में मिली ऐतिहासिक जीत

फाइनल मुकाबले के दौरान दो बार की विंबलडन चैंपियन पेट्रा विर्तोवा और विंबलडन में रिकॉर्ड नौ एकल खिताब जीतने वाली महान खिलाड़ी मार्टिना नवरातिलोवा भी मौजूद थीं। नवरातिलोवा रॉयल बॉक्स में केट, प्रिंसेस ऑफ वेल्स के साथ बैठी थीं। मुकाबले के बाद प्रिंसेस ऑफ वेल्स ने नोस्कोवा को विजेता ट्रॉफी प्रदान की।

ओलंपिक में रह चुकी हैं डबल्स जोड़ीदार

दिलचस्प बात यह है कि लिंडा नोस्कोवा और कैरोलिना मुचोवा ने पेरिस ओलंपिक 2024 में महिला युगल स्पर्धा में एक साथ हिस्सा लिया था। दोनों की जोड़ी उस प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रही थी। इस बार दोनों विंबलडन के फाइनल में आमने-सामने थीं, जहां नोस्कोवा ने बाजी मार ली

▶ स्पेन ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बेल्जियम को 2-1 से हराया

स्पेन 16 साल बाद फीफा वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में, फ्रांस से होगी टक्कर

● लॉस एंजिल्स

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्पेन ने बेल्जियम को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेल्जियम को रोमांच से भरे मुकाबले में 2-1 से हराया। स्पेन ने साल 2010 के बाद यानी करीब 16 साल बाद पहली बार विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। सेमीफाइनल में स्पेन का सामना पिछले वर्ल्ड कप में फाइनल तक का सफर तय करने वाली फ्रांस की टीम से होगा।

मैच की शुरुआत से ही स्पेन ने आक्रामक खेल दिखाया और बेल्जियम के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाने का प्रयास किया। स्पेन को सफलता मैच के 30वें मिनट में मिली। लैमिन यामल के शानदार रन के बाद पेड्रो पोरो ने बॉक्स में लो क्रॉस दिया। बेल्जियम के गोलकीपर थिबॉट कोर्टुआ ने पहले डैनी ओल्मो का शॉट रोक लिया, लेकिन रिबाउंड पर फैबियन रुइज ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाकर स्पेन को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, बेल्जियम ने स्पेन की बढ़त को ज्यादा समय तक बरकरार नहीं रहने दिया और मैच के 41वें मिनट में अपना पहला गोल दागा।

86वें मिनट में मेरिनो ने पलटी बाजी

मैच का फैसला आखिरी मिनटों में हुआ। 86वें मिनट में मैदान पर आए स्पेन के मिकेल मेरिनो ने दो मिनट बाद ही टीम के लिए विजयी गोल दाग दिया। पाउ क्यूबार्सी के दूर से लगाए गए शॉट को बेल्जियम के नए गोलकीपर ठीक से नहीं रोक सके। गेंद उनके हाथों से छूट गई और मेरिनो ने बिना गलती किए उसे गोल में तब्दील कर दिया। यह लगातार दूसरा मैच रहा, जिसमें मेरिनो ने सब्सटीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर उतरकर आखिरी मिनटों में स्पेन के लिए निर्णायक गोल किया। इससे पहले उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल के खिलाफ भी जीत दिलाने वाला गोल किया था।

लामिन यमाल ने फ्रांस को दी है खुली चुनौती

सेमीफाइनल मुकाबले में अब स्पेन की भिड़ंत फ्रांस से 15 जुलाई को होगी। इस मैच से पहले ही स्पेन के युवा स्टार लामिन यमाल ने फ्रांस को खुली चुनौती दी है। यमाल का कहना है कि स्पेन किसी भी टीम से नहीं डरता और अगर किसी को डरना चाहिए तो वह फ्रांस है। उन्होंने कहा, "हम इस मैच को लेकर बहुत उत्साहित हैं। मुझे लगता है कि इस समय टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमें आमने-सामने होंगी। हमारे आक्रामक खेल में कोई बदलाव नहीं होगा टीम हमेशा की तरह अटैकिंग फुटबॉल खेलेगी।

इंग्लैंड में भारत की 56 रन से शर्मनाक हार सीरीज के साथ ही गंवाया नंबर 1 का ताज

जोस बटलर का शतक तो हैरी ब्रूक ने ठोके नाबाद 95 रन

● साउथम्पटन

साउथम्पटन, आरएनएन। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की टी20 में आयरलैंड के बाद इंग्लैंड में भी शर्मनाक पराजय हुई। भारतीय टीम ने सीरीज तो गंवाया ही, वो आईसीसी की टी20 रैंकिंग में भी नंबर-1 की पोजीशन से गंवा दी है। अब इंग्लैंड टी20 रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंच चुका है।

इंग्लैंड ने जोस बटलर की धांसू सेंचरी और वर्तमान कप्तान हैरी ब्रूक के नाबाद 95 रनों के दम पर भारत के खिलाफ न केवल सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया, बल्कि उसने 257 रनों को डिफेंड करने के लिए कमाल की गेंदबाजी। सैम करन के 3 विकेटों के दम पर इंग्लैंड ने मैच और सीरीज दोनों ही अपने नाम कर ली। मैच में इंग्लैंड ने विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर भारत को 56 रन से हराकर मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। इस सीरीज को उसने 4-0 से अपने नाम किया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में न केवल आयरलैंड के खिलाफ सीरीज हारे, बल्कि इंग्लैंड से हार के बाद आलोचकों के निशाने पर आ गए।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड	रन	गेंद	4	6
सॉल्ट कॉट शेड्गे बो.कृष्णा	6	9	1	0
बटलर कॉट अय्यर बो.दुबे	131	64	12	8
ब्रूक नाबाद	95	45	4	8
बेथेल कॉट तिलक बो.दुबे	0	1	0	0
जैक्स नाबाद	7	2	0	1

अतिरिक्त: 18, **कुल रन:** 257-3 (20.0)
बल्लेबाजी नहीं की: बैटन, करन, डॉसन, आर्चर, रशीद, टंग
विकेट पतन: 8-1,241-2,241-3, गेंदबाज- अर्शदीप: 4-0-33-0, कृष्णा: 4-0-38-1, प्रेस: 4-0-60-0, अक्षर: 4-0-63-0,शेड्गे: 3-0-39-0, दुबे: 1-0-22-2.

भारत	रन	गेंद	4	6
सैमसन कॉट बेथेल बो.करन	27	14	3	2
अभिषेक कॉट बटलर बो.आर्चर	3	5	0	0
ईशान कॉट सॉल्ट बो.रशीद	56	35	7	2
अय्यर कॉट करन बो.डॉसन	28	16	4	0
तिलक कॉट बटलर बो.टंग	53	25	3	4
दुबे कॉट आर्चर बो.करन	14	10	2	0
शेड्गे कॉट बटलर बो.करन	7	6	1	0
अक्षर कॉट जैक्स बो.रशीद	3	4	0	0
अर्शदीप नाबाद	4	5	0	0
कृष्णा नाबाद	1	1	0	0

अतिरिक्त: 5, **कुल रन:** 201-8 (20.0) बल्लेबाजी नहीं की: प्रेस
विकेट पतन: 25-1,55-2,110-3,131-4,162-5,189-6,193-7,199-8, गेंदबाज- आर्चर: 4-0-41-1, टंग: 4-0-53-1,जैक्स: 3-0-32-0,करन: 4-0-36-3, डॉसन: 2-0-14-1,रशीद: 3-0-24-2.

ईशान और तिलक की फिफ्टी बेकार

258 रनों के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने तेज शुरुआत की, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से लक्ष्य के करीब नहीं पहुंच सकी। ईशान किशन ने 35 गेंदों में 56 रनों की उपयोगी पारी खेली। तिलक ने 25 गेंदों में 53 रन बनाए।

अनिमेष कुजूर विदेशी धरती पर 100 मी. स्पर्धा में सबसे तेज भारतीय धावक बने

गुरिंदर सिंह का रिकॉर्ड तोड़ने से 0.05 सेकंड से चूके अनिमेष

● नई दिल्ली

एथलेटिक्स में अनिमेष कुजूर ने एक बार फिर अपनी रफ्तार से इतिहास रचा है।

ओडिशा के इस धावक ने प्यूमा फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स 2026 मीट में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ 10.14 सेकंड में पूरी कर दूसरा स्थान हासिल किया।

भारत के सबसे तेज 100 मीटर के धावक

गुरिंदर सिंह	10.09 सेकंड
अनिमेष कुजूर	10.14 सेकंड
अनिमेष कुजूर	10.15 सेकंड
गुरिंदर सिंह	10.17 सेकंड
अनिमेष कुजूर	10.18 सेकंड

इसके साथ ही वह विदेशी धरती पर 100 मीटर स्पर्धा में सबसे तेज दौड़ने वाले भारतीय बन गए। हालांकि, वह गुरिंदरवीर सिंह के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 10.09 सेकंड से महज 0.05 सेकंड पीछे रह गए। अनिमेष ने फाइनल से पहले ही हीट में 10.19 सेकंड का समय निकालकर अपनी शानदार फॉर्म का संकेत दे दिया था। फाइनल में उन्होंने अपने प्रदर्शन को और बेहतर करते हुए 10.14 सेकंड का समय निकाला, जो उनका नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ (पर्सनल बेस्ट) भी है। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ समय 10.15 सेकंड था। यह किसी भी भारतीय धावक द्वारा विदेशी धरती पर 100 मीटर में दर्ज किया गया सबसे तेज समय है।

वनडे से होल्डर ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, आरएनएन। वेस्टइंडीज के हेड कोच डैरेन सैमी ने जेसन होल्डर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने एक बातचीत के दौरान जेसन होल्डर के वनडे क्रिकेट से संन्यास की पुष्टि करके सबको चौंका दिया है। 1 फरवरी 2013 को होल्डर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था। वह आखिरी बार 2023 में इस फॉर्मेट में खेलते नजर आए थे। डैरेन सैमी ने कहा, जेसन होल्डर अभी भी टेस्ट टीम में शामिल होने की दौड़ में हैं। मुझे पता है कि उन्होंने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट के लिए वे निश्चित रूप से उपलब्ध हैं।

क्रांति ने स्विंग से इंग्लैंड को नचाया भारत ने बनाई 269 रन की बढ़त

170 रन पर ढेर हुई इंग्लैंड टीम

● नई दिल्ली

लार्ड्स में खेले जा रहे ऐतिहासिक टेस्ट में दूसरे दिन तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ की धारदार स्विंग के दम पर इंग्लैंड की महिला टीम बैकफुट पर आ गई। भारत के 285 रन के जवाब में मेजबान इंग्लैंड टीम 170 रन पर ढेर हो गई। इसमें क्रांति ने 37 रन देकर पांच विकेट झटके।

दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 1 विकेट खोकर 154 रन बना लिए हैं। भारतीय टीम के पास 269 रन की बढ़त है। इंग्लैंड के लिए कप्तान नेट साइवर ब्रंट (44) और विकेट कीपर एमी जोंस (52) के अलावा अन्य बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सकीं। भारत के लिए गौड़ के अलावा सयाली सतघरे और स्नेह राणा ने दो-दो विकेट लिए, वहीं ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को भी एक विकेट मिला। भारत की गेंदबाजों ने दूसरे दिन लंच तक ही इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को लगभग ध्वस्त कर दिया था, जब मेजबान टीम 137 रन पर ही पांच विकेट गंवा चुकी थी। इसमें क्रांति तीन विकेट ले चुकी थीं, वहीं लंच के बाद कप्तान साइवर सहित इंग्लैंड की अन्य चार बल्लेबाजों को भारतीय टीम ने 33 रन के भीतर ही पवेलियन भेज दिया।लंच से पहले साइवर और एमी जोंस ने पांचवें विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी करके भारतीय गेंदबाजों का काफी हद तक डटकर सामना किया और एक समय लगा कि इससे इंग्लैंड की मैच में वापसी हो सकती है।

स्मृति मंधाना ने फिर लगाया अर्धशतक

दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 42 ओवर में 1 विकेट खोकर 154 रन बना चुकी है। भारत को शैफाली वर्मा के रूप में पहला झटका लगा। 7 चौकों की मदद से शैफाली ने 55 गेंदों पर 33 रन बनाए। इसके बाद स्मृति मंधाना ने अर्धशतक लगाया। यास्तिका भाटिया उनका साथ दे रही हैं। स्टंप तक मंधाना 124 गेंदों पर 69 रन और भाटिया 73 गेंदों पर 39 रन बनाकर नाबाद हैं।

अंडर-23 राष्ट्रीय कुश्ती में प्रियांशी ने जीता गोल्ड

अकादमी की पूर्व खिलाड़ी बनीं राष्ट्रीय चैंपियन

● भोपाल / खेल संवाददाता

हरियाणा के रोहतक में 10 जुलाई से आयोजित अंडर-23 राष्ट्रीय सीनियर कुश्ती चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश राज्य कुश्ती अकादमी की पूर्व खिलाड़ी प्रियांशी प्रजापत ने महिला 50 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। प्रियांशी ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी मुकाबलों में बढ़त बनाई और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

कौशल प्रदर्शन 107वीं आरएएफ इंटर सेक्टर ट्रायथलॉन प्रतियोगिता का आयोजन

पुष्पलता को बेस्ट फीमेल एथलीट का अवॉर्ड

● भोपाल / खेल संवाददाता

सेज यूनिवर्सिटी भोपाल के परिसर में 107वीं आरएएफ इंटर सेक्टर ट्रायथलॉन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में सदर्न सेक्टर,जेकेडी सेक्टर, जोरहट, सीजी टीपीए, एनडब्ल्यूएस, केके, आरएएफ एमपी और ओडिशा सेक्टर सहित देश के विभिन्न आरएएफ सेक्टरों की टीमों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ट्रायथलॉन प्रतियोगिता के अंतर्गत स्विमिंग, साइक्लिंग एवं रनिंग की तीन स्पर्धाएं आयोजित की गईं, जिनमें 60 से अधिक खिलाड़ी शामिल हुए। समापन समारोह में सीआरपीएफ की महानिरीक्षक (आईजी) नीतू भट्टाचार्य, 107वीं आरएएफ इंटर बटालियन के कमांडेंट (सीओ) जेपी बलाई तथा सेज यूनिवर्सिटी भोपाल के कुलपति प्रो. अनिल एम. बिसेन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

आरएएफ सेक्टर बनी बेस्ट रिले टीम

अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए तथा सेज यूनिवर्सिटी भोपाल के आधुनिक खेल परिसर और विश्वस्तरीय खेल अधोसंरचना की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। प्रतियोगिता में पुष्पलता बरे को बेस्ट फीमेल एथलीट, अभि अर्जुन को बेस्ट मेल एथलीट तथा आरएएफ सेक्टर को बेस्ट रिले टीम का पुरस्कार प्रदान किया गया।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप शॉटगन में नीरू ढांडा ने जीता स्वर्ण पदक

अकादमी की मनीषा ने शीर्ष-10 में बनाई जगह

● भोपाल

इटली के लोनाटो में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड कप शॉटगन में मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग शॉटगन अकादमी की खिलाड़ी नीरू ढांडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं अकादमी की दूसरी खिलाड़ी मनीषा ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दसवां स्थान हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश और प्रदेश का गौरव भी बढ़ाया। इस प्रतियोगिता में दुनिया के कई देशों के सर्वश्रेष्ठ शूटरों ने हिस्सा लिया।

वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2025 शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न

राजस्थान दर्शन

उदयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2025 के तहत रविवार को उदयपुर जिले में दोनों पारियों की परीक्षाएं शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं निष्पक्ष वातावरण में सम्पन्न हुईं। जिला प्रशासन की ओर से सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, यातायात, विद्युत, चिकित्सा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) दीपेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम पारी में आयोजित सामान्य ज्ञान प्रश्नपत्र के लिए जिले में कुल 24,075 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 14,869 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित रहे, जबकि 9,306 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार प्रथम पारी में 61.76 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि द्वितीय पारी में आयोजित परीक्षा के लिए कुल 24,074 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 14,724 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए तथा 9,350 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। द्वितीय पारी में 61.16 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। एडीएम दीपेंद्र सिंह ने बताया कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर केंद्राधीक्षकों, उड़नदस्तों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की सतत निगरानी रही। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के समन्वित प्रयासों से परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुई।

धर्मनगरी गोगुंदा में 15 जुलाई से आध्यात्मिक महापर्वः संतों का होगा मंगल प्रवेश, चातुर्मास के लिए तैयारियां पूरी

गांव-गांव पहुंच रहे निमंत्रण, सैकड़ों श्रद्धालुओं के स्वागत की तैयारी; चार माह तक होंगे प्रवचन, ध्यान, स्वाध्याय और धार्मिक आयोजन

राजस्थान दर्शन

गोगुंदा। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की ऐतिहासिक राजतिलक स्थली एवं धर्मनगरी गोगुंदा 15 जुलाई से आध्यात्मिक रंग में रंगने जा रही है। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में आयोजित होने वाले चातुर्मास के लिए संतों का भव्य मंगल प्रवेश होगा। इसे लेकर पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल है। आयोजन समिति गांव-गांव जाकर श्रद्धालुओं को आमंत्रित कर रही है, जबकि स्वागत और व्यवस्थाओं की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष गौतम सिंघवी ने बताया कि महाश्रमण पूज्य गुरुदेव श्री जिनेन्द्र मुनि 'काव्यतीर्थ', तपस्वीरत्न प्रवीण मुनि महाराज, परम विदुषी साध्वी डॉ. राजश्रीजी महाराज साहिबा तथा परम विदुषी साध्वी डॉ. सुलक्षणप्रभा जी महाराज साहिबा का 15 जुलाई को प्रातः 8:15 बजे गोगुंदा में शुभ मंगल प्रवेश होगा। संतों के आगमन पर श्रद्धालु पारंपरिक व धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य अगवानी करेंगे।

महाश्रमण पूज्य गुरुदेव श्री जिनेन्द्र मुनि 'काव्यतीर्थ

परम विदुषी साध्वी डॉ. राजश्री जी महाराज

परम विदुषी साध्वी डॉ. सुलक्षणप्रभा जी महाराज

चार माह तक चलेगा धर्म, साधना और स्वाध्याय का महापर्व

चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन धार्मिक प्रवचन, ध्यान, स्वाध्याय, जप-तप, आध्यात्मिक चिंतन सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जैन समाज के लिए यह चार माह का समय आत्मशुद्धि, संयम और साधना का विशेष अवसर माना जाता है। आयोजन के माध्यम से धर्म, संस्कार और सामाजिक समरसता का संदेश भी दिया जाएगा।

प्रदेशभर से जुटेंगे समाजजन और धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि

चातुर्मास व्यवस्था प्रचार-प्रसार समिति के गोपाल लोढ़ा ने बताया कि मंगल प्रवेश कार्यक्रम में श्री वर्धमान पुष्कर गुरु ध्यान केंद्र, दूधिया गणेशजी, श्री पुष्कर धाम सेमटाल, महावीर गोशाला उमराना सहित अनेक धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसके अलावा ऑल इंडिया जैन कॉन्फ्रेंस, श्रमण संघ विहार सेवा समिति, अखिल भारतीय गुरु पुष्कर संगठन समिति, अमर जैन साहित्य संस्थान उदयपुर सहित सूरत, उदयपुर, सेरा प्रांत, वाकल प्रांत, बगडुंदा और भूताला से बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं भी आयोजन में शामिल होंगी।

गांव-गांव पहुंच रहे निमंत्रण, समाज के सभी संगठन जुटे

आयोजन को सफल बनाने के लिए श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, श्री चंदनबाला महिला मंडल, तरुण नवयुवक मंडल, कन्या मंडल और चातुर्मास सेवा समिति के सदस्य विभिन्न जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं। महिला मंडल एवं सेवा समिति की बैठकों में स्वागत, आवास, भोजन, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया है। समिति के सदस्य गांव-गांव जाकर श्रद्धालुओं को मंगल प्रवेश कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दे रहे हैं।

बगडुंदा से विहार कर गुरु पुष्कर नगर पहुंचे संत

रविवार को संत एवं साध्वियों ने बगडुंदा से विहार कर सेमटाल स्थित गुरु पुष्कर नगर में विश्राम किया। यहां श्रद्धालुओं ने दर्शन-वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अब 15 जुलाई को संतों का गोगुंदा में मंगल प्रवेश होगा, जिसे लेकर पूरे क्षेत्र में उत्सुकता बनी हुई है।

अध्यक्ष बोले—चातुर्मास बनेगा आध्यात्मिक जागरण का केंद्र

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष नाथूलाल मेहता ने बताया कि चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन धार्मिक गतिविधियों का आयोजन होगा। समाज के सभी वर्गों की सहभागिता से यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं बल्कि संस्कार, सद्भाव और आध्यात्मिक जागरण का केंद्र बनेगा। गोगुंदा में चार माह तक धर्ममय वातावरण रहेगा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु संतों के सान्निध्य का लाभ उठाएंगे।

केंद्रीय जनजाति कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके का उदयपुर दौरा

'अतीत के गौरवशाली इतिहास को समझने की आवश्यकता, सामाजिक समरसता को आघात कर रही नकारात्मक शक्तियों को हमें देना होगा जवाब': केंद्रीय मंत्री उइके

राजस्थान दर्शन

उदयपुर। भारत सरकार के जनजाति कार्य राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके ने उदयपुर दौरे के दूसरे दिन रविवार को सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बप्पा रावल सभागार में आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (टीआरआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संभाग स्तरीय जनजाति युवा कार्यशाला में शिरकत की। 'विश्वास, विकास एवं जनजाति कल्याण के 12 वर्ष' विषयक संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता संबोधित करते हुए श्री उइके ने कहा कि हमें अतीत के गौरवशाली इतिहास को समझने की आवश्यकता है। जनजाति समाज की जड़े ऋग वैदिक काल से जुड़ी हुई है। समस्त ऋषि वन में ही रहते थे और वनों में ही ग्रंथ लिखे गए। उन्होंने कहा कि हमें वर्तमान परिदृश्य का चिंतन करना है और सही और गलत को पहचानने की जरूरत है। भावना शक्ति जनजाति समाज का प्राण है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता को आघात कर रही नकारात्मक शक्तियों को माकूल जवाब देना होगा।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश कर रहा निरंतर प्रगति

श्री उइके ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। आज हम हर साल 15 नवंबर को जनजाति गौरव दिवस के रूप में अपने इतिहास को याद करते हैं। ईएमआरएस, पीएम श्री विद्यालय जनजाति अंचलो में शिक्षा में आए आमूलचूल परिवर्तन के सशक्त उदाहरण है। संसदीय संकुल परियोजना के माध्यम से पलायन वाले क्षेत्रों

हेतु ठोस परियोजनाएं बनाई गई है। पीएम मोदी द्वारा जनजाति क्षेत्रों में बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से धरती आबा योजना के जरिए 80 हजार करोड़ की धनराशि आवंटित की गई है। पीएम जनमन योजना हेतु 24 हजार करोड आवंटित किए जा चुके हैं। 'परंपराओं को सहेजना और उन्हें भावी पीढ़ियों को सौंपना हमारा विचार' टीएडी मंत्री खराड़ी संगोष्ठी में प्रदेश सरकार के जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने संबोधित करते हुए कहा कि देश की परंपरा अतिथि देवो भवः की रही है। परंपराओं को सहेजना और उन्हें भावी पीढ़ियों को सौंपना यह हमारा विचार है। हमारी संस्कृति ने सभी अन्य संस्कृतियों को स्वीकारा और पनाह दी और समायोजन हुआ। मंत्री खराड़ी ने कहा कि अनेक प्रयासों के पश्चात भी सनातन कभी समाप्त नहीं हो पाया। देश में अभिव्यक्ति की आजादी का दुरूपयोग हुआ। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार आदिवासी विरासत को संजोने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है इस संबंध में शीघ्र ही डॉक्यूमेंट्री तैयार हो जाएगी। अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी हेतु जयपुर अथवा दिल्ली में कोचिंग शुरु करने के प्रयास भी जारी है। लोकसभा सांसद डॉ मन्नालाल रावत कहा की विगत के दशक में राष्ट्र ने उल्लेखनीय प्रगति की है। नॉर्थ-ईस्ट में उग्रवाद खत्म हुआ। जनजाति अस्मिता और नायकों को आगे लाने का कार्य विगत के दशक में हुआ। वफ्फ संशोधन अधिनियम, धरती आबा योजना, पीएम जन मन योजना समेत कई सौगातें महत्वपूर्ण उपलब्धियां है। डॉ रावत ने कहा की विरासत के बगैर आदिवासियों का विकास नहीं हो सकता है। कुछ कतिपय इकोसिस्टम क्षेत्र में सक्रिय है जो देश की प्रगति में बाधक है। कार्यक्रम में टीआरआई निदेशक ओपी जैन सहित गणमान्य अतिथि, प्रबुद्धजन एवं बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे। संगोष्ठी के पश्चात केंद्रीय मंत्री उइके अशोक नगर स्थित टीआरआई सभागार पहुंचे जहां उन्होंने प्रदेश के जनजातीय सामाजिक संगठनों की बैठक में संगठनों के प्रतिनिधियों के फीडबैक और सुझाव लिए। उइके ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि विरासत का संवर्धन भी हो और विकास भी हो। ग्राउंड जीरो से सुझावों के आधार पर नीतियां बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि कभी भारतवर्ष आर्यावर्त के रूप में दुनिया का बड़ा देश था। विदेशी आक्रांताओं ने देश की संस्कृति को नुकसान पंहुचाने का प्रयास किया। वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है की भावी पीढ़ियों को देश की विरासत से रूबरू करवाएं इसलिए वर्तमान में चिंतन और मनन करने की आवश्यकता है। बैठक में हाल ही पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित जोधपुर निवासी तगाराम भील ने सुझाव देते हुए बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। वहीं पूर्व आईजी और गोविंद गुरु जनजाति विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु टीसी डामोर ने मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्तर का स्मारक घोषित करने और उसे संरक्षित करने की बात कही। इसके अलावा चिकित्सा, शिक्षा समेत विभिन्न विषयों पर संगठनों के पदाधिकारियों ने अपने सुझाव दिए। इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री उइके ने टीआरआई परिसर में एक पेड़ माँ के नाम एवं हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधरोपण भी किया। इस दौरान टीएडी मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सांसद डॉ मन्नालाल रावत, सागवाडा विधायक शंकरलाल डेचा, टीआरआई निदेशक ओपी जैन सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

झामरकोटड़ा माइंस में इंटक की नई कार्यकारिणी

ठेका श्रमिकों की आवाज बनेगी इंटकः झामरकोटड़ा माइंस के लिए 51 सदस्यीय कार्यकारिणी गठित, जगदीशराज श्रीमाली सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए

राजस्थान दर्शन

उदयपुर। झामरकोटड़ा स्थित राजस्थान स्टेट माइंस एंड मिनरल्स लिमिटेड (आरएसएमएमएल) की माइंस में कार्यरत हजारों ठेका श्रमिकों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से आरएसएमएमएल कॉन्ट्रैक्ट वर्कर यूनियन (इंटक) का गठन किया गया है। उदयपुर स्थित इंटक कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान इंटक के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यमंत्री जगदीशराज श्रीमाली को सर्वसम्मति से यूनियन का अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर उन्होंने यूनियन की 51 सदस्यीय कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए कहा कि संगठन श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए मजबूती से कार्य करेगा। कार्यक्रम में श्रमिक प्रतिनिधियों और इंटक पदाधिकारियों की मौजूदगी में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। श्रीमाली ने कहा कि झामरकोटड़ा माइंस में बड़ी संख्या में ठेका श्रमिक कार्यरत हैं, लेकिन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए अब तक कोई मजबूत मंच नहीं था। नई यूनियन श्रमिकों के वेतन, ईएसआई, पीएफ, सुरक्षा उपकरण, श्रम कानूनों के पालन, कार्यस्थल पर सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं सहित अन्य मुद्दों को लेकर प्रबंधन, ठेकेदारों एवं श्रम विभाग के समक्ष प्रभावी ढंग से पैरवी करेगी। उन्होंने कहा कि यूनियन पूरी तरह लोकतांत्रिक तरीके से कार्य करेगी और श्रमिकों के हितों से जुड़े प्रत्येक मुद्दे पर समय-समय पर प्रबंधन और संबंधित विभागों से वार्ता कर समाधान का प्रयास करेगी। संगठन का उद्देश्य किसी प्रकार का टकराव नहीं बल्कि श्रमिकों को न्याय दिलाना और औद्योगिक सौहार्द बनाए रखना है।

पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा बने मुख्य संरक्षक

घोषित कार्यकारिणी में पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा को मुख्य संरक्षक बनाया गया है। जग्गूराम मीणा एवं शंकरलाल मीणा को संरक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। जगदीशराज श्रीमाली अध्यक्ष, चेनराम डांगी कार्यकारी अध्यक्ष, केशुलाल मीणा महामंत्री एवं दुर्गाशंकर कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। कन्हैयालाल मीणा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया है। लक्ष्मण चोखा, रमेश मीणा, मांगीलाल, डूंगरलाल, मोहनसिंह, नानालाल, किशनलाल, प्यारेलाल एवं किशनलाल मीणा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। हेमंत मेघवाल संयुक्त महामंत्री, राधेलाल वरिष्ठ सचिव, प्रेमशंकर सचिव, शंकरलाल कार्यालय सचिव, भगवतीलाल सह कार्यालय सचिव तथा हेमराज सह कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। जगदीशलाल, विक्रम, सुरेश, मांगीलाल मीणा, चुन्नीलाल एवं लक्ष्मीलाल को सह सचिव नियुक्त किया गया है। हीरालाल, नारायणलाल, अंबालाल, दिनेश मीणा एवं रामलाल संगठन मंत्री तथा केशुलाल, चुन्नीलाल लौहार, जगदीश एवं मोहनलाल सह संगठन मंत्री बनाए गए हैं। कार्यसमिति सदस्य के रूप में किशन, लालूराम, देवीलाल एवं प्रेमलाल को शामिल किया गया है। इसके अलावा हरीराम मेघवाल एवं दयाशंकर कुमावत को सह संरक्षक, मनोहर मीणा, जगरूप गुर्जर एवं देवीलाल मीणा को सलाहकार तथा डूंगरलाल मीणा, धर्मराज मीणा, हरीराम मेघवाल एवं शंकरलाल मीणा को सह सलाहकार की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

'श्रमिक हित सर्वोपरि, जिम्मेदारी से निभाएं दायित्व'

जगदीशराज श्रीमाली ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन की मजबूती पद नहीं बल्कि कार्यशैली से तय होती है। प्रत्येक पदाधिकारी श्रमिकों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुने और उनका समाधान कराने का प्रयास करे। उन्होंने कहा कि इंटक का यह संगठन रॉक फॉस्फेट माइंस में कार्यरत ठेका श्रमिकों के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगा और आवश्यकता पड़ने पर प्रबंधन, ठेकेदार एवं श्रम विभाग के साथ वार्ता कर श्रमिकों के अधिकार सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी संगठन के अनुशासन का पालन करते हुए आपसी समन्वय से कार्य करें तथा श्रमिकों के विश्वास पर खरा उतरें। इंटक का उद्देश्य श्रमिकों को सम्मान, सुरक्षा और न्याय दिलाना है। नई कार्यकारिणी इसी संकल्प के साथ काम करेगी ताकि झामरकोटड़ा माइंस के ठेका श्रमिकों की आवाज और अधिक प्रभावी ढंग से उठाई जा सके।

विप्र फाउंडेशनः विभिन्न प्रोफेशनल क्षेत्रों की 250 से अधिक विप्र प्रतिभाओं एवं विभूतियों का किया सम्मान सिविल सेवा में चयनित युवाओं ने सेमिनार में बताए सफलता के मंत्र

राजस्थान दर्शन

उदयपुर। विप्र फाउंडेशन एवं उसके प्रकल्प शिक्षा, रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रकोष्ठ, जोन-1ए के तत्वावधान में रविवार को प्रताप गौरव केंद्र, टाइगर हिल्स में भव्य विप्र प्रतिभा सम्मान समारोह, आरएएस सम्मान समारोह एवं सिविल सेवा मार्गदर्शन सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीमाली थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय संरक्षक एवं पूर्व विधायक धर्मनारायण जोशी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम सिखवाल, क्षेत्रीय अध्यक्ष (राजस्थान) सतीश शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र पालीवाल, शिक्षाविद् आर.एस. व्यास, पूर्व राज्य मंत्री जगदीशराज श्रीमाली, पूर्व सभापति रविंद्र श्रीमाली, रोहित पांडे, मधुसूदन पालीवाल, नीरज नागदा, दिनेश शुक्ला, मनीष तिवारी, हेमंत आमेटा, दीपिका मेनारिया,अर्चना शर्मा, चित्रा मेनारिया पंकज शर्मा, हरीश शर्मा,सहित विप्र फाउंडेशन के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं विप्र समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे। प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव गणेश नागदा ने बताया कि

समारोह में विशेष रूप से आमंत्रित विप्र विभूतियों में वीर चक्र प्राप्तकर्ता दुर्गाशंकर पालीवाल, पद्मश्री श्याम सुंदर पालीवाल (पिपलांत्री), सुप्रसिद्ध साहित्यकार, शिक्षाविद् एवं ख्यातनाम कवि गिरीश पालीवाल 'विद्रोही', भूपेंद्र श्रीमाली (सुपुत्र मोहन श्रीमाली, हल्दीघाटी) तथा फिल्मकार एवं शोधकर्ता लोकेश पालीवाल का सम्मान किया गया। विप्र फाउंडेशन जोन-1ए के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र पालीवाल ने बताया कि समारोह में अकाउंट्स, नर्सिंग, असिस्टेंट प्रोफेसर, आयुर्वेद एवं होम्योपैथी नर्सिंग ऑफिसर, डॉक्टर, इंजीनियर, अध्यापक, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए), पीएचडी, विभिन्न विषयों के गोल्ड मेडलिस्ट, खेल प्रतिभाओं तथा कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं सहित 250 से अधिक विप्र प्रतिभाओं एवं विप्र विभूतियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर आरएएस एवं अन्य प्रशासनिक सेवाओं में चयनित निर्मला मेनारिया, भरत जोशी, रवि शर्मा, नीरज शर्मा, भारती शर्मा, संजना शर्मा, विकास पाराशर, जिज्ञासा शर्मा, आकांक्षा व्यास, गोविंद सुखवाल, आदित्य शर्मा, सुलेखा शर्मा, दीपक व्यास, अनुपम शर्मा, कृष्ण कुमार तिवारी, राजश्री पारीक एवं हितेश त्रिवेदी (तहसीलदार) को मंचासीन अतिथियों के साथ सम्मानपूर्वक बैठाया गया तथा उन्हें मोठड़ा, उपरणा एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर अभिनंदित किया गया। इसके साथ ही मीडिया एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले गोपाल मेहता मेनारिया, रमेश नागदा, प्रकाश शर्मा सहित अन्य पत्रकारों का भी सम्मान किया गया। सिविल सेवा मार्गदर्शन सेमिनार में चयनित अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि 'समाज हमारी जड़ें हैं, हम अपनी जड़ों से कभी नहीं कटेंगे।' उन्होंने समाज के विद्यार्थियों को हरसंभव मार्गदर्शन एवं सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि सच्ची लगन, कठिन परिश्रम और समय पर सही मार्गदर्शन ही सफलता की कुंजी है। शिक्षा प्रकोष्ठ के मीडिया प्रभारी गोपाल मेहता ने बताया कि कार्यक्रम प्रारंभ होने से पूर्व अतिथियों का हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड दल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, महाराणा प्रताप एवं भगवान परशुराम की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात विप्र प्रार्थना का सामूहिक गायन किया गया तथा आयोजन समिति ने सभी अतिथियों का शॉल, उपरणा, स्मृति-चिह्न एवं महाराणा प्रताप की प्रतिमा भेंट कर अभिनंदन किया। समारोह के मुख्य आयोजक एवं शिक्षा, रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. एच.आर. दवे ने स्वागत उद्बोधन देते हुए शिक्षा प्रकोष्ठ की उपलब्धियों की जानकारी दी तथा इन प्रतिभाओं को शीघ्र ही आरएएस आदि प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु कई विषयों की निःशुल्क कक्षाएं तथा करियर काउंसलिंग उपलब्ध करवाने की घोषणा की । मुख्य अतिथि सत्यनारायण श्रीमाली ने अपने संबोधन में कहा कि आरएएस एवं अन्य प्रशासनिक सेवाओं में चयनित विप्र युवाओं पर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उत्कृष्ट कार्य करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं को भविष्य में और उच्च प्रशासनिक सेवाओं में जाने के लिए प्रेरित किया तथा शिक्षा, रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस अभिनव एवं प्रेरणादायी सम्मान समारोह की मुक्तकंठ से सराहना की। इस अवसर नेशनल यूथ पार्लियामेंट ऑफ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सीईओ ललित नारायण आमेटा की पुस्तक 'युवाओं का सर्वोच्च विकास- दर्पण' का विमोचन अतिथियों के हाथों किया गया। आमेटा के अनुसार युवाओं के केरियर निर्माण में इस पुस्तक की प्रमुख भूमिका रहेगी। कार्यक्रम के अध्यक्ष राष्ट्रीय संरक्षक व पूर्व विधायक धर्मनारायण जोशी ने अधिक से अधिक युवाओं व बालक बालिकाओं को उच्च प्रशासनिक सेवाओं में जाने के लिए कड़ी मेहनत के साथ साथ सही समय पर सही मार्गदर्शन लेने का आव्हान किया। अंत में धन्यवाद एवं आभार प्रदेश अध्यक्ष डॉ नरेंद्र पालीवाल ने ज्ञापित किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी राव संजय सिंह के लिए मेसर्स पुकार प्रिंटिंग प्रेस, 311ब, चित्रकूट नगर, उदयपुर, राजस्थान- 313001 से मुद्रित एवं 705, ए ब्लॉक, वैदेही प्रीमियम हाउसिंग, श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल के पास, बेदला,100 फीट रोड, उदयपुर, राजस्थान - 313001 से प्रकाशित। संपादकः कमलेश सिंह, एच- 6, नंदपुरी कॉलोनी, मालवीय नगर, जयपुर- 302017, फोन न- 0141-48199557 मो. 9166693566 E-mail rajasthandarshanudaipur@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)